संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 30
पृष्ठ 8
गुरूवार
15 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लिविंग एरिया को है चमकाना...
विचार- न्यायपालिका की तरफ बढ़े जनता...
खेल- उनके 30-40 रन भी काफी!: ईशान...

रामनाथ कोविन्द की जीवन यात्रा हर भारतीय के लिए प्रेरणा- योगी

● मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजयगाथा, मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का किया विमोचन

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की गरिमामयी उपस्थिति में उनकी आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजयगाथाः मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति के जीवन को अभावों से संघर्ष करते हुए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की प्रेरणादायी यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि रामनाथ कोविन्द ने अभावों को ढाल नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और संघर्ष करने का मार्ग बनाया। उन्होंने परिश्रम, पुरुषार्थ और दृढ़ संकल्प के बल पर अपने जीवन की दिशा तय की। उनका जीवन देश के युवाओं और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविन्द का आगमन हमेशा प्रदेशवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश उनकी जन्मभूमि भी है और उनकी कर्मसाधना की भूमि भी। यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि जिस आत्मकथा का पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विमोचन किया गया था, उसका हिंदी रूपांतरण अब उनकी पावन जन्मभूमि वाले लखनऊ में विमोचित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविन्द की आत्मकथा एक ऐसे भारतीय की कहानी है, जिसने जीवन की कठिनाइयों को प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया। परौंख गांव के एक अत्यंत गरीब परिवार में जन्म लेने वाले रामनाथ कोविन्द के सिर से बचपन में ही मां का साया उठ गया था। इसके बावजूद उन्होंने अभावों को कभी पलायन का कारण नहीं बनने दिया और न ही अपनी परिस्थितियों को किसी से कुछ मांगने का आधार बनाया। उन्होंने गांव के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, फिर उच्च शिक्षा अर्जित की और अधिवक्ता के रूप में वंचितों–गरीबों की आवाज बने। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रवादी विचारधारा और सार्वजनिक जीवन को अपने संघर्ष का हिस्सा बनाया। भारतीय जनता पार्टी के सदस्य एवं पदाधिकारी के रूप में राजनीतिक यात्रा शुरू करने के बाद वह राज्यसभा के सदस्य बने, बिहार के राज्यपाल पद पर पहुंचे और अंततः भारत के राष्ट्रपति के रूप में सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाथ कोविन्द की यात्रा हमें बताती है कि महानता केवल अनुकूल परिस्थितियों में आगे बढ़ने से नहीं आती, बल्कि प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझने के साहस से प्राप्त होती है। घर कच्चे थे, लेकिन इरादे पक्के थे। यही दृढ़ संकल्प उनकी यात्रा की शुरुआत बना। जब परिस्थितियां अनुकूल हों तो लोककल्याण और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष से पीछे हटने के बजाय उनका सामना करने का जज्बा होना चाहिए। यही विशेषता रामनाथ कोविन्द को उस मुकाम तक लेकर गई, जहां उन्होंने पांच वर्ष तक 145 करोड़ भारतवासियों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व किया। उन्हें जो भी दायित्व मिला, उसका निर्वहन उन्होंने सहजता, सरलता और भारतीय जनभावनाओं के अनुरूप किया। रामनाथ कोविन्द की विशेषता केवल सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचना नहीं है, बल्कि अपनी जन्मभूमि, गांव और पुराने संबंधों के प्रति उनका अनुराग भी है। उन्हें परौंख गांव जाने का कई बार अवसर मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी उनके गांव पहुंच चुके हैं। जन्मभूमि के प्रति अनुराग रखना प्रत्येक भारतीय के जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार होना चाहिए। राष्ट्रपति पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद भी रामनाथ कोविन्द जब अवसर मिलता है, पुराने साथियों से मिलने पहुंचते हैं। कानपुर आने पर वह अपने गांव की ओर रुख करते हैं और लखनऊ आने पर पुराने परिचितों से मिलना नहीं भूलते। चाट वाले, चाय वाले, कपड़े वाले और दूसरे पुराने परिचितों के साथ उनके संबंध आज भी बने हुए हैं। उनका जीवन हमें अपनी जन्मभूमि के प्रति प्रेम और कृतज्ञता का संदेश देता है। व्यक्ति जीवन में कितनी भी ऊंचाई प्राप्त कर ले, उसे अपने मूल, अपने गांव, अपने समाज और उन लोगों को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने उसकी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्रीय कैबिनेट का फैसला : रेलवे कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा

11.40 लाख कर्मियों को मिलेगा 78 दिन का बोनस

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का एलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन–आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, "आज कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन–आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन–रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है।" कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के प्रदर्शन–आधारित होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे दिवाली का तोहफा बताया। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के अथक परिश्रम का सम्मान है। ये कर्मचारी दिन–रात काम करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। वे त्योहारों के दौरान भी चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं। वे खेतों, रेलवे ट्रैक, इंजनों और कार्यशालाओं में लगातार कार्यरत रहते हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आईडीबीआई बैंक में 60.72ः हिस्सेदारी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी, मेसर्स 10955230 कनाडा इंक. को 52,878.08 करोड़ रुपये में बेचने की मंजूरी दे दी। जिससे बैंक के बड़े पुनर्गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कॉजपा कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर ममता बनर्जी बोलीं, यह पूरी पीढ़ी को डराना है

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने इसे पूरी पीढ़ी को डराने और चुप कराने की कोशिश बताया और लोगों से देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की।

एक्स पर एक पोस्ट में, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए कई पीढ़ियों ने संघर्ष किया है और इस संघर्ष को जारी रखने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। बनर्जी ने कहा कि हमने और हमसे पहले की कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मज़बूती से लड़ाई लड़ी है। हमें ऐसा करना जारी रखना चाहिए। सीजेपी कार्यकर्ताओं रंका और दास की गिरफ़्तारी की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं ब्श्रच के आशुतोष और सौरव की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा करती हूँ। ये पल हम सभी के लिए हैं; हमें अपनी महान लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लेना चाहिए और डटकर खड़े होना चाहिए। यह पूरी पीढ़ी को डराने और चुप कराने की कोशिश है। यह मंजूर नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने संवैधानिक अधिकारों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि देश के कई हिस्सों में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 14,000 लोग पुलिस और राजनीतिक अत्याचारों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। इस समय, बंगाल में हमारे 14,000 लोग पुलिस और राजनीतिक अत्याचार का सामना कर रहे हैं।

लोकतंत्र दबाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

राहुल गांधी ने युवाओं से गैर-कानूनी हिरासत का रिकॉर्ड रखने को कहा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार के खिलाफ़ अपना हमला तेज़ करते हुए, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जो लोग लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही न्याय की सख़्त मार का सामना करना पड़ेगा। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने साफ़ तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व से लेकर आम कार्यकर्ताओं तक, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गांधी ने लिखा कि वह दिन आ रहा है जब हमारे लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने की कोशिश करने वालों को न्याय की सख़्त मार का सामना करना पड़ेगा। चाहे वह नरेंद्र मोदी हों, अमित शाह हों, ज्ञानेश कुमार हों या कोई आम कार्यकर्ता। कांग्रेस नेता ने उन छात्रों और युवाओं से भी अपील की, जिन्होंने कथित तौर पर पुलिस की बर्बरता या ग़ैर–क़ानूनी हिरासत का सामना किया है, कि वे इन घटनाओं का पूरा रिकॉर्ड रखें। उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहता हूँ कि हर छात्र और युवा, जिसने पुलिस की बर्बरता या ग़ैर–क़ानूनी हिरासत का सामना किया है, वह इसका पूरा रिकॉर्डकृवीडियो या फ़ोटोकृरखे; ये बहुत ज़रूरी होंगे। मौलिक अधिकारों पर अपनी पार्टी के रुख़ को दोहराते हुए, गांधी ने ज़ोर देकर कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना एक संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध आपका अधिकार है। हम किसी को भी इसे छीनने नहीं देंगे। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कई मुद्दों को लेकर देश भर में विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं और राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी अक्सर सत्ताधारी सरकार पर असहमति को दबाने और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाती रही है। इससे पहले दिन में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ब्) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ कथित मारपीट के लिए जिम्मेदार लोगों को अंजाम भुगतना होगा।

अमेरिका से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान ने भेजा अपहरण का सिग्नल, जयपुर में आपात लैंडिंग

नयी दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक विमान की बुधवार सुबह ष्सुरक्षा कारणों से ष जयपुर में आपात लैंडिंग कराई गई। सूत्रों के मुताबिक, विमान ने अपहरण का कोड भेजा था जिसके बाद उसे जयपुर डायवर्ट करने का निर्देश दिया गया। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान की जयपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। सुरक्षा जांच के बाद विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी मिल गई है। यात्रियों को दुबारा उसी विमान से दिल्ली भेजा जा रहा है। बयान में कहा गया है, ष्एयर इंडिया की फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही उड़ान एआई2030 को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 14 अक्टूबर को जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। विमान जयपुर में सुरक्षित उतरा। संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने जरूरी जांच–पड़ताल की और विमान तथा चालक दल के सदस्यों को आगे की यात्रा के लिए अनुमति दे दी है।

एसआईआर पर जयराम रमेश का अमित शाह से सवाल, क्या 14 करोड़ भारतीय नागरिक घुसपैठिए हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि मतदाता सूची से बाहर हुए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक ''घुसपैठिये'' हैं? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''एसआईआर का लगातार बचाव कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री से तीन बेहद सरल और सीधे सवाल हैं : कितने घुसपैठियों की पहचान हुई? कितने घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए? कितने घुसपैठियों को देश से बाहर भेजा गया?'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि करीब 100 करोड़ भारतीयों को एसआईआर की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है और उन्हें इसके नतीजे जानने का पूरा अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के ''सूत्रधार'' बार–बार घुसपैठियों का तर्क देकर असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। रमेश ने एसआईआर को ''शाह इंस्टिगेटेड रिमूवल'' करार देते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री शाह की ''हताश जोड़ी'' ने करीब 14 करोड़ भारतीयों को उनके मताधिकार से वंचित कर दिया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया, ''क्या गृह मंत्री यह कहना चाहते हैं कि ये 14 करोड़ भारतीय घुसपैठिए हैं? क्या गृह मंत्री के तौर पर उनकी निगरानी में देश में घुसपैठियों की संख्या में इतनी भारी बढ़ोतरी हुई है?'' रमेश की यह टिप्पणी शाह द्वारा एसआईआर का बचाव करने और विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आई है।

PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS
दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र
शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन
Website
www.shaharsamta.com
Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews
सही खबर, सही समय पर
स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

पत्नी की गला दबाकर हत्या कर बच्चों को लेकर पहुंचा थाने, फाफामऊ में हुई वारदात

प्रयागराज। मजदूरी पेशा युवक ने मंगलवार की शाम अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद वह अपने तीन बच्चों के साथ फाफामऊ थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मजदूरी पेशा युवक ने मंगलवार की शाम अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद वह अपने तीन बच्चों के साथ फाफामऊ थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। वारदात का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतका के पिता रवि शंकर मौर्य ने आरोपी चंद्र प्रकाश मौर्य के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। जालौन जनपद के जगनेवा थाना क्षेत्र के चंद्र प्रकाश मौर्य का विवाह होलागढ़ के राजापुर चौबारा गांव की विनीता मौर्य (32) से 12 वर्ष पहले हुआ था। चंद्र प्रकाश की रिश्तेदारी विनीता के गांव में थी। आने–जाने के दौरान दोनों में प्रेम हुआ और उन्होंने शादी कर ली। पहले दोनों जालौन में रहते थे। इधर छह वर्षों से वे फाफामऊ के गद्दोपुर स्थित लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में किराये के मकान में रहते थे। दंपती के तीन बच्चे अनुराधा (10), आर्यन (8) और आर्यस (6) हैं। मंगलवार की शाम को चंद्र प्रकाश तीनों बच्चों को लेकर फाफामऊ थाने पहुंचा। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी है। इसके बाद वह गुमसुम बैठ गया। पुलिस ने मृतका के मायके वालों को सूचना दी तो पिता थाने पहुंचे। थाना प्रभारी छोटक यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

डमी स्कूल में छात्रों के फर्जी दाखिले का रैकेट चलने की आशंका, जांच के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिक्षा व्यवस्था में फर्जीवाड़े की आशंका को गंभीरता से लेते हुए आजमगढ़ के हीरा पब्लिक स्कूल और उसके अधीन संचालित कोचिंग अकादमी की जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आशंका जताई कि कुछ संस्थान छात्रों की जानकारी के बिना उनका दाखिला डमी स्कूलों में करा रहे हैं। साथ ही नीट की आवासीय कोचिंग भी चला रहे हैं। कोर्ट ने इसे शिक्षा व्यवस्था में धोखाधड़ी का मामला बताया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार के संबंधित अधिकारी को हीरा पब्लिक स्कूल, गांव फागुदिया, अंबारी, आजमगढ़ और उसके साथ संचालित अकादमी की जांच करने का आदेश दिया है। अकादमी में आईआईटी–जेईई, नीट और क्लैट की तैयारी कराने की बात कही गई है। कोर्ट ने प्रबंधन की भूमिका की पड़ताल करने और जौनपुर के शाहगंज रोड स्थित शहाना इंटरनेशनल स्कूल से उसके संबंधों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

याची अबू हुजैफा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याची का कहना था कि वह हीरा पब्लिक स्कूल का छात्र है और उसे प्रबंधन ने स्कूल से निष्कासित कर दिया है। इस मामले में कोर्ट ने स्कूल प्रबंधन से जवाब मांगा था। जवाब में स्कूल की ओर से कहा गया कि वह स्कूल नहीं हैं, बल्कि वह एक कोचिंग सेंटर है। याची छात्र शहाना इंटरनेशनल स्कूल का छात्र है। हालांकि, याची छात्र ने शहाना स्कूल का छात्र होने से इन्कार कर दिया। याची का कहना था कि उसने न तो शहाना स्कूल में आवेदन किया, न फीस जमा की और न ही वहां पढ़ाई की। इस पर कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को दो नवंबर 2026 तक जांच रिपोर्ट और व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर संबंधित अधिकारी को अदालत में उपस्थित होना होगा। मामले की अगली सुनवाई भी दो नवंबर को होगी। उस दिन संस्थान के प्रधानाचार्य और प्रबंधक को भी उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

झोपड़ी में गांजे की पुड़िया बना रहा तस्कर एएनटीएफ की गिरफ्त में

प्रयागराज। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने दारागंज के पूरा पड़ाइन झोपड़पट्टी से सप्पू जायसवाल को गिरफ्तार किया है। वह झोपड़ी में गांजे की पुड़िया तैयार कर रहा था। पुलिस ने मौके से करीब 11 लाख रुपये का 22.85 किग्रा गांजा बरामद किया। एएनटीएफ के उपनिरीक्षक सत्येंद्र प्रधान ने बताया कि झोपड़ी में गांजा रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर वह एसआई विनोद कुमार, सत्येश राय, शशि प्रकाश, आशीष यादव और नीरज पांडेय के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने झोपड़ी की घेराबंदी कर तलाशी ली। इस दौरान एक व्यक्ति प्लास्टिक की थैलियों में गांजा भरता मिला। उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से एक मोबाइल फोन और 360 रुपये भी जब्त किए गए। तलाशी में एक बोरी से गांजे के 21 पैकेट, प्लास्टिक की 80 और कागज की 75 पुड़िया बरामद हुईं। एएनटीएफ की पूछताछ में आरोपी ने बुन्नू उर्फ गप्पू का नाम बताया। आरोपी ने खुलासा किया कि बुन्नू उर्फ गप्पू गांजा लाकर देता था और दोनों मिलकर उसे तौलकर पुड़िया बनाते थे। बुन्नू तैयार पुड़िया लेकर चला जाता था, जबकि आरोपी उसके आने का इंतजार कर रहा था। मामले में एक अन्य आरोपी बुन्नू उर्फ गप्पू की तलाश जारी है।

जेवरात और 25 हजार नकदी चोरी

प्रयागराज। बीती रात होलागढ़ थाना क्षेत्र के वृसिंहपुर उर्फ रामगढ़ (पंडित का पुरा) गांव में चोरी की घटना हुई। चोरों ने देवराज तिवारी के घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवरात चुरा लिए। चोर मध्यरात्रि में घर में दाखिल हुए। उन्होंने अलमारी और बक्से का ताला तोड़ दिया। चोरों ने 25 हजार रुपये नकदी के साथ लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफ किया। मंगलवार सुबह दंपती ने घर का सामान अस्त–व्यस्त देखा तो उन्हें चोरी का पता चला। होलागढ़ थाना प्रभारी आकाश सचान ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

लेड़ियारी में ताला तोड़कर सूने घर से चोरी

खीरी के लेड़ियारी बाजार में सोमवार रात एक घर से जेवरात और नकदी चोरी हो गई। चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। विनोद कुमार केसरी नामक मोटर मैकेनिक का घर कोलसरा रोड पर है। सोमवार रात विनोद दुकान में सो गया था और उसकी पत्नी मायके में थी। सुबह घर लौटने पर उसने दरवाजा टूटा देखा। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि चोर एक सोने का हार, सोने का कंगन, चांदी का पायल और 7 हजार रुपये नकद ले गए। एक एलसीडी टीवी, कुछ कपड़े व बर्तन भी गायब हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेजा के ममौली बैरहना गांव में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया। नौ अक्तूबर शुक्रवार को लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और महत्वपूर्ण कागजात चुरा लिए गए। पीड़ित रामेश्वर प्रसाद तिवारी ने मेजा थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन वे सुबह करीब नौ बजे कोहड़ार में मकान बनवाने गए थे। उस समय घर पर कोई नहीं था। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। परिवार के सदस्यों के लौटने पर चोरी का पता चला। मेजा थाना प्रभारी धनंजय पाण्डेय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अतीक के कब्जे से छुड़ाई जमीन का सीएम योगी करेंगे भूमिपूजन, 150 करोड़ से बनेगी 14 मंजिला इमारत

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई प्रयागराज की जमीन पर अब 602 परिवारों के आशियाने का रास्ता खुलेगा। कसारी–मसारी में प्रस्तावित 14 मंजिला पद्म आवास योजना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल भूमिपूजन करेंगे। करीब 150 करोड़ रुपये की लागत वाली इस योजना में दो बेडरूम वाले फ्लैट बनाए जाएंगे।

माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई कसारी–मसारी स्थित सरकारी जमीन पर अब लोगों के आशियाने बनेंगे। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से यहां प्रस्तावित 14 मंजिला पद्म आवास योजना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री तेलियरगंज चौराहे पर मसुरियादीन की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ गवर्नमेंट प्रेस मैदान में मतदाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

कसारी–मसारी में अतीक और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर पीडीए 602 फ्लैट की आवासीय योजना विकसित करेगा। कभी माफिया के आतंक के कारण जिस इलाके में लोग जाने से डरते थे, वहां अब लोग अपने घर का सपना पूरा कर सकेंगे। इसी जमीन पर अतीक का घर भी हुआ करता था।

150 करोड़ रुपये से बनेगी 14 मंजिला इमारत

पद्म आवास योजना के तहत कुल 9,811.35 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बहुमंजिला समूह आवास का निर्माण किया जाएगा। परियोजना पर करीब 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इमारत 14 मंजिला होगी और इसकी ऊंचाई 44.85 मीटर प्रस्तावित है। योजना में पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी।

हर फ्लैट में दो बेडरूम और दो शौचालय

योजना के तहत दो बेडरूम वाले कुल 602 फ्लैट बनाए जाएंगे। प्रत्येक फ्लैट में एक बैठक कक्ष, दो बेडरूम, दो शौचालय, एक बालकनी और एक रसोई होगी। प्रति आवास अनुमानित लागत करीब 28 लाख रुपये बताई गई है। योजना के प्रत्येक तल पर 43 फ्लैट प्रस्तावित हैं।

तीन कार्यक्रमों में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को प्रयागराज दौरे के दौरान कसारी–मसारी में पद्म आवास योजना का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद तेलियरगंज चौराहे पर मसुरियादीन की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। मुख्यमंत्री गवर्नमेंट प्रेस मैदान में आयोजित मतदाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

4.50 किमी की दूरी पर होगा हाईकोर्ट

पद्म आवास योजना से हाईकोर्ट महज 4.5 किमी की दूरी पर होगा। वहीं, प्रयागराज जंक्शन की दूरी चार किमी व सिविल लाइंस बस अड्डे की दूरी छह किमी होगी। प्रयागराज एयरपोर्ट आठ किमी की दूरी पर पड़ेगा और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन 2.5 किमी दूर होगा।

परियोजना की विशेषताएं

सौर पैनलों के माध्यम से स्वच्छ व नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग।

वैज्ञानिक रूप से विकसित वर्षा जल निकासी।

सुव्यवस्थित पार्किंग स्थान व बेहतर यातायात प्रबंधन।

भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली।

उच्च गुणवत्ता वाली आधुनिक शियर वॉल तकनीक।

350 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट।

सुरक्षित व छायादार पैदल यात्री अनुकूल पथ।

दिव्यांगजन अनुकूल परिसर।

सामुदायिक भवन एवं वाणिज्यिक परिसर।

स्वास्थ्य, मनोरंजन व सामुदायिक उपयोग के लिए स्विमिंग पूल।

गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर मतदाता सम्मेलन दोपहर एक बजे

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को इलाहाबाद–झांसी स्नातक क्षेत्र के मतदाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर दोपहर एक बजे होगा। एमएलसी अनूप गुप्ता, जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने मंगलवार को सभा स्थल का निरीक्षण किया। भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों समेत डिप्टी सीएम केशव प्रसाद भी शामिल होंगे। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया है कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लग जाएं। कार्यक्रम को लेकर सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक हुई। इसमें स्नातक चुनाव के संबंध में रणनीति पर मंथन किया गया। बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद भी शामिल हुए।

डीएम ने अफसरों के साथ की बैठक

सीएम के कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार शाम प्रयागराज विकास प्राधिकरण, नगर निगम व अन्य संबंधित विभागों के अफसरों के साथ बैठक की। डीएम ने इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

सिर्फ विवादित संपत्ति में ट्रस्ट का कार्यालय होने से धोखाधड़ी नहीं मानी जा सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल विवादित संपत्ति में ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय होने से यह नहीं माना जा सकता कि ट्रस्ट बनाने वाला व्यक्ति उस संपत्ति का मालिक बन गया या उसने कोई धोखाधड़ी की है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल विवादित संपत्ति में ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय होने से यह नहीं माना जा सकता कि ट्रस्ट बनाने वाला व्यक्ति उस संपत्ति का मालिक बन गया या उसने कोई धोखाधड़ी की है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने जालसाजी के मामले में दाखिल आरोपपत्र, संज्ञान आदेश और पूरी आपराधिक कार्यवाही निरस्त कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने माया शर्मा की अर्जी स्वीकार करते हुए दिया है।

वाराणसी के प्रशांत शर्मा ने 12 दिसंबर 2014 को रजिस्टर्ड बैनामे के जरिये वाराणसी के लछीपुरा, सिकरौल स्थित विवादित मकान खरीदा था।

आरोप था कि माया शर्मा ने अन्य लोगों के साथ मिलकर पहले ही इस संपत्ति के संबंध में जागृति ट्रस्ट बना लिया था और उसका पंजीकृत कार्यालय विवादित मकान में दिखाया था। शिकायत के आधार पर माया शर्मा के खिलाफ कैंट थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी समेत विभिन्न धाराओं में पुलिस ने एफआईआर कर लिया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए समन जारी किया। याची माया समन आदेश सहित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग में हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

याची अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह व ज्ञान प्रकाश सिंह ने दलील दी कि विवादित मकान पैतृक संपत्ति थी और ट्रस्ट डीड 26 अगस्त 2009 को तैयार की गई थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर समझौता 15 जनवरी 2010 को हुआ। इसलिए ट्रस्ट डीड तैयार करते समय याची को संपत्ति में सह–स्वामी के रूप में अधिकार प्राप्त थे। ट्रस्ट डीड के निष्पादन से कोई अपराध नहीं बनता और आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का औचित्य नहीं है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि पक्षकारों के बीच संपत्ति को लेकर दीवानी मुकदमा लंबित है।

प्रथम दृष्टया ट्रस्ट डीड बनाने से माया शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराध नहीं बनते। इसी के साथ कोर्ट ने लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी- धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब मनचाही सरकारी जमीन पाने का अधिकार नहीं

प्रयागराज। धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किसी समुदाय को अपनी पसंद की सरकारी जमीन आवंटित कराने का कानूनी हक नहीं देता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में कब्रिस्तान के लिए जमीन देने की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि सार्वजनिक उपयोग के लिए जमीन आरक्षित करने का फैसला स्थानीय जरूरतों, व्यापक जनहित और कानून–व्यवस्था की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर प्रशासन को करना है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि धर्म की आजादी के नाम पर कब्रिस्तान के लिए स्थानीय निकाय की किसी खास जमीन की मांग नहीं की जा सकती। कोर्ट ने गाजियाबाद में कब्रिस्तान के लिए जमीन आवंटित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने क्रिश्चियन कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी की याचिका पर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ग्राम सभा या स्थानीय निकाय की जमीन को कब्रिस्तान जैसे सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित करना प्रशासनिक निर्णय है। इस प्रक्रिया में क्षेत्र की जरूरतों और विभिन्न व्यावहारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना होता है। किसी व्यक्ति या समुदाय को अपनी पसंद की सरकारी जमीन को सार्वजनिक उपयोग के लिए परिवर्तित कराने का ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है, जिसे अदालत के माध्यम से लागू कराया जा सके।

क्या है पूरा मामला

मामला गाजियाबाद की मोदीनगर तहसील के विसोखर गांव स्थित 0.3420 हेक्टेयर बंजर जमीन से जुड़ा है। याची सोसाइटी का कहना था कि आसपास रहने वाले ईसाई समुदाय के लोगों को अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। सोसाइटी ने इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों से जमीन आवंटित करने की मांग की थी।

हालांकि, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), गाजियाबाद ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 77(2) के तहत जनवरी में सोसाइटी के अनुरोध को खारिज कर दिया था। इसके बाद सोसाइटी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर प्रशासन के फैसले को चुनौती दी।

सुनवाई के दौरान सरकारी अधिकारियों ने दलील दी कि संबंधित जमीन राजस्व अभिलेखों में बंजर दर्ज है और परंपरागत रूप से इसका इस्तेमाल कब्रिस्तान के रूप में नहीं हुआ है। प्रशासन ने यह भी बताया कि क्षेत्र में पहले से ही एक ईसाई कब्रिस्तान मौजूद है। इसके अलावा, नई जमीन आवंटित करने से स्थानीय स्तर पर सांप्रदायिक मतभेद पैदा होने की आशंका भी जताई गई थी।

व्यापक जनहित पर विचार करना प्रशासन का काम

कोर्ट ने प्रशासन की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किसी खास सरकारी जमीन को अपनी पसंद से आवंटित कराने का आधार नहीं बन सकता। जमीन के उपयोग और आवंटन से जुड़े निर्णय में व्यापक जनहित, स्थानीय जरूरतों और कानून–व्यवस्था की परिस्थितियों पर विचार करना प्रशासनिक अधिकारियों का काम है।याचिका में हस्तक्षेप का कोई कानूनी आधार नहीं पाते हुए हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

संगमनगरी में काले हिरणों की संख्या बढ़ी

प्रयागराज। संगमनगरी में संकटग्रस्त काले हिरणों के संरक्षण की मुहिम अब रंग ला रही है। मेजा के चांद खमरिया स्थित कृष्ण मृग संरक्षित क्षेत्र में काले हिरणों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। वन विभाग ने अप्रैल से अगस्त के बीच यह गणना कराई है। 2022 में हुई गणना के अनुसार, इस क्षेत्र में 406 हिरण थे। वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर करीब 508 हो गई है। इस तरह चार सालों में 102 नई पीढ़ी के हिरणों की वृद्धि हुई है। वन विभाग के रेंजर डीएन पांडेय और डिप्टी रेंजर मयंक पटेल ने बताया कि महुली कला, चांद खम्भरिया, इटवा कला, किहुनी कला, पुरवा, कटरा और मोजरा पहाड़ी जैसे क्षेत्रों में हिरणों को देखा गया है। इनके खाने–पीने के लिए पसंदीदा घास उगाई गई है। काला और सफेद नमक का भी इंतजाम किया गया है। पानी पीने के लिए कुछ पक्की तथा कुछ कच्ची बावलियां बनाई गई हैं। संरक्षित क्षेत्र में इंसानी दखल एक बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, संरक्षित क्षेत्र व उसके आसपास कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लोग कभी मवेशी चराने तो कभी खेती के काम के लिए आवागमन करते हैं। विशेषज्ञों ने इसे हिरणों के संरक्षण के लिए बड़ी चुनौती माना है।

नवनीत कुमार गुप्ता ने संभाली प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक की कमान

प्रयागराज। प्रयागराज हवाई अड्डे पर मंगलवार को नवनीत कुमार गुप्ता ने पूर्णकालिक विमानपत्तन निदेशक के रूप में आधिकारिक तौर पर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रयागराज हवाई अड्डे पर मंगलवार को नवनीत कुमार गुप्ता ने पूर्णकालिक विमानपत्तन निदेशक के रूप में आधिकारिक तौर पर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। बीआईटी सिंदरी से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने वाले नवनीत गुप्ता के पास विमानन (एविएशन) क्षेत्र का लंबा और समृद्ध अनुभव है।

वे अगस्त 2000 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से जुड़े थे और उन्होंने कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट में अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ष 2016 से 2022 के दौरान डिब्रूगढ़ और भुज हवाई अड्डों पर भी विमानपत्तन निदेशक के रूप में सफलतापूर्वक दायित्व निभाया है। यहां पदभार ग्रहण करने से पहले वह प्रयागराज स्थित सिविल एविएशन ट्रेनिंग कॉलेज में एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट के प्रशिक्षक और परीक्षक की भूमिका भी निभा रहे हैं।

चिल्ड्रेन अस्पताल निर्माण में लापरवाही पर फर्म ब्लैकलिस्ट, 55 लाख सिक्योरिटी जब्त

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय परिसर में बच्चों के अस्पताल के निर्माण में लापरवाही के मामले में शासन ने सख्त रुख अपनाया है। निर्माण कार्य से जुड़ी फर्म का अनुबंध निरस्त कर उसे पांच साल के लिए काली सूची में डाल दिया गया है। साथ ही 55 लाख रुपये की सिक्योरिटी भी जब्त की गई है। मामले में जिम्मेदार अभियंताओं के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की गई है। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय परिसर में प्रस्तावित चिल्ड्रेन अस्पताल के निर्माण में लापरवाही के मामले में शासन ने कार्रवाई की है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभाल रही फर्म का अनुबंध निरस्त कर उसे पांच साल के लिए काली सूची में डाल दिया गया है। इसके साथ ही फर्म की 55 लाख रुपये की सिक्योरिटी भी जब्त कर ली गई है। मामले में तत्कालीन मुख्य अभियंता केजी दुबे, अधीक्षण अभियंता राजेश चौधरी, अधिशासी अभियंता मनीष कुमार श्रीवास्तव और सहायक अभियंता धर्मशंकर त्रिपाठी के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की गई है। चिल्ड्रेन अस्पताल का निर्माण बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा था। परियोजना में देरी और निर्माण संबंधी शिकायतों के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर फर्म के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पांच साल के लिए काली सूची में डाली गई फर्म

निर्माण कार्य में निर्धारित शर्तों के पालन और गुणवत्ता से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए फर्म का अनुबंध समाप्त कर दिया गया। साथ ही उसे पांच साल तक के लिए काली सूची में डालने का निर्णय लिया गया। सिक्योरिटी के रूप में जमा 55 लाख रुपये भी जब्त कर लिए गए हैं। निर्माण कार्य की निगरानी और जिम्मेदारी से जुड़े चार अभियंताओं के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की गई है। इनमें तत्कालीन मुख्य अभियंता केजी दुबे, अधीक्षण अभियंता राजेश चौधरी, अधिशासी अभियंता मनीष कुमार श्रीवास्तव और सहायक अभियंता धर्मशंकर त्रिपाठी शामिल हैं। कार्रवाई का उद्देश्य निर्माण कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित करना और सरकारी परियोजनाओं में निर्धारित मानकों का पालन कराना है। प्रस्तावित चिल्ड्रेन अस्पताल में बच्चों के इलाज के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं विकसित की जानी थीं। परियोजना में 300 बिस्तरों वाला अस्पताल, चौबीस घंटे आपात चिकित्सा सेवा, ऑपरेशन थिएटर और अन्य जरूरी सुविधाएं प्रस्तावित थीं। निर्माण में सामने आई कमियों के बाद हुई कार्रवाई से परियोजना के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठे हैं।

चौकीदारों को मिली वर्दी समेत पांच सामग्री

प्रयागराज। थाना परिसर में मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा ने करीब 40 चौकीदारों को जूता, धोती, साफा, वर्दी और स्वेटर वितरित किया। हालांकि, सामग्री मिलने के बाद भी ग्राम प्रहरियों में मानदेय को लेकर नाराजगी दिखी। शासन ने उनका मानदेय ढाई हजार रुपये से बढ़ाकर साढ़े तीन हजार रुपये प्रतिमाह किया है। चौकीदारों ने इसे नाकाफी बताया और मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में इतने कम मानदेय से परिवार चलाना मुश्किल है।

एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के संगीत विभाग एवं स्पीक मेके के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन सीएमपी डिग्री कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में

किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात संगीत विभाग के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति दी जिसमें हारमोनियम पर दिशांत कुमार तबले पर वासुदेव पांडे अंशिका गोस्वामी मुकेश कुमार अंजलि गोस्वामी ने प्रतिभाग किया। तत्पश्चात संगीत विभागाध्यक्ष एवं उप प्राचार्या ने अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र पौधा और स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया गया। इस एक दिवसीय व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर आफ मीडिया स्टडीज के कोर्स कोआर्डिनेटर प्रो धनंजय चोपड़ा ने कहानियां सुर ताल के साधकों की विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस सुअवसर पर स्पिक मैके के सचिव श्री श्रेयश शुक्ला व्यंजन आर्ट एंड कल्चर सोसायटी की संस्थापिका डॉ मधु रानी शुक्ला सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे उप प्राचार्या प्रो नीता सिन्हा संगीत विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि गुप्ता कार्यक्रम प्रभारी डॉ निधि श्रीवास्तव एवं डॉ आकांक्षा पाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ आकांक्षा पाल के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ निधि श्रीवास्तव ने किया।

चार छात्राएं बनीं एक दिन की निदेशक

लखनऊ,संवाददाता। अब प्रदेश के स्कूलों में मिड–डे मील के किचन की सफाई और बच्चों को पौष्टिक भोजन देने की जिम्मेदारी पर बेटियों की नजर रहेगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, काकोरी की चार छात्राओं ने बुधवार को मध्याह्न भोजन प्राधिकरण में एक दिन की निदेशक बनकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। छात्राओं ने प्रदेश के सभी परिषदीय और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के किचन में विशेष

सफाई अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसके तहत गुरुवार से प्रदेशभर के स्कूलों में विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया जाएगा। छात्राएं मुस्कान, सरिता, साक्षी और राधिका ने निदेशक की कुर्सी संभालकर प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझा। उन्होंने स्कूलों में बच्चों को ताजा, संतुलित और पौष्टिक भोजन देने के साथ किचन शेड में स्वच्छता के मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाना बनाने वाली रसोइयों को समय–समय पर स्वच्छता और पोषण प्रबंधन का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। एक दिन की निदेशक बनीं छात्राओं ने मध्याह्न भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों की संख्या के हिसाब से पर्याप्त भोजन तैयार किया जाए। मिड–डे मील के मेन्यू में पोषक तत्वों का ध्यान रखा जाए और आधुनिक किचन व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर अस्वस्थ बच्चों को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निदेशक प्रेमरंजन सिंह ने छात्राओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य बेटियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना और उन्हें भविष्य में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार करना है। निदेशक ने आश्वस्त किया कि छात्राओं की ओर से दिए गए स्वच्छता और पोषण संबंधी निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के स्कूलों के किचन में विशेष सफाई अभियान चलाकर बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

परौंख से राष्ट्रपति भवन तक का सफर भारतीय लोकतंत्र की विजयगाथा–केशव

लखनऊ,संवाददाता। लोक भवन में बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजयगाथारू मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' के पुस्तक का विमोचन समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रामनाथ कोविंद का जीवन संघर्ष, सादगी, संस्कार और राष्ट्रसेवा की ऐसी मिसाल है, जो युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। कानपुर देहात के छोटे से गांव परौंख से राष्ट्रपति भवन तक का उनका सफर भारतीय संविधान और लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है। श्री कोविंद ने अपनी आत्मकथा में संघर्ष से सफलता तक की यात्रा को जिस तरह प्रस्तुत किया है, वह साधारण परिवारों के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणादायी है। उनका जीवन बताता है कि सफलता का रास्ता कठिन परिश्रम, अनुशासन और धैर्य से होकर गुजरता है। राज्यसभा सदस्य, बिहार के राज्यपाल और देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने संवैधानिक मर्यादाओं, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। सार्वजनिक जीवन में ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद भी विनम्रता बनाए रखना उनके व्यक्तित्व की बड़ी विशेषता है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना और जनधन योजना जैसी पहल गरीबों के जीवन में बदलाव ला रही हैं। वहीं, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर मिल रहे हैं।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय एक दिवसीय शिविर का भव्य आयोजन

योग, जन–जागरूकता, कॅरियर कार्यशाला एवं साइबर सुरक्षा पर केंद्रित रहा कार्यक्रम

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ में आज दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में तृतीय एक दिवसीय शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं एनएसएस के लक्ष्य गीत के गायन के साथ हुआ।

शिविर के प्रथम सत्र में प्रयाग आरोग्यं केंद्र, लखनऊ के योगाचार्य श्री प्रशांत शुक्ल ने स्वयंसेविकाओं को योग एवं विभिन्न आसनों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। इसके उपरांत छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए रंग–बिरंगे सुंदर पेपर बैग (कागज के कैरी बैग) तैयार किए। प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई जन–जागरूकता रैली के माध्यम से स्वयंसेविकाओं ने मलिन बस्ती में भ्रमण किया। छात्राओं ने स्थानीय नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का बहिष्कार करने, कपड़े व कागज के थैलों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया और स्वयं बनाए हुए पेपर बैग वितरित किए।

भोजनावकाश के बाद आयोजित द्वितीय सत्र में कॅरियर काउंसिल सेल एवं इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल

(प्प्) के सहयोग से 'करियर प्रॉस्पेक्टस फॉर यूथ इन द एविएशन, हॉस्पिटालिटी, टूरिज्म, कस्टमर सर्विस एंड रिटेल इंडस्ट्री' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता श्फ्लाई वे एयर होस्टेस एंड होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूटश के श्री मुकेश शुक्ल ने छात्राओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों, आकर्षक वेतनमान, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा अपनी प्रतिभा के अनुरूप सही कॅरियर चुनने के व्यावहारिक सुझाव दिए।

इसी सत्र में साइबर अपराधों से बचाव हेतु एक विशेष जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें नाका हिंडोला थाने के श्री सत्येंद्र कुमार ने साइबर सुरक्षा की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को साइबर फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग, डमी आईडी, मनी रिक्वेस्ट फ्रॉड एवं फर्जी संदेशों से सतर्क रहने के उपाय बताए।

कार्यक्रम के अगले चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना, नशा मुक्ति अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के संयुक्त तत्वावधान में ष्नशा मुक्त भारतष विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को व्यसन मुक्त बनाने का आह्वान किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कार्यशाला एवं व्याख्यान से मिली जानकारियों को जीवन में उतारने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने और नशे के दुष्परिणामों से दूर रहने की सीख देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिविर का सफल संयोजन एवं संचालन कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. मनीषा बड़ौनियाँ, डॉ. चंदन मौर्या एवं सुश्री दीक्षा द्वारा किया गया। इस अवसर पर थाना नाका हिंडोला साइबर सेल के प्रतिनिधि, महाविद्यालय के कॅरियर काउंसलिंग सेल व इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन सेल के सदस्य, नशा मुक्ति अभियान की नोडल अधिकारी प्रो. सीमा पांडे तथा सेवा संकल्प अभियान की संयोजक डॉ. सुनीता सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत श्वंदे मातरम्श के गायन के साथ हुआ।

कटरा गुलाब सिंह के शोधकर्ता डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा योगदान, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका में शोध प्रकाशित

आधुनिक मेमोरी उपकरणों और इन्फ्रारेड तकनीक के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि, क्षेत्र का बढ़ाया मान

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। कटरा गुलाब सिंह क्षेत्र के शोधकर्ता डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनका शोधपत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका 'एप्लाइड फिजिक्स ए' (।चचसपमक चेलेपबे ।) में प्रकाशित हुआ है। यह पत्रिका विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रकाशन समूह स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित की जाती है। इस उपलब्धि से कटरा गुलाब सिंह क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जगत में सामने आया है।

डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव वर्तमान में लखनऊ स्थित बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग से संबद्ध हैं। उन्होंने गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग के डॉ. बृजेश कुमार पांडेय के साथ मिलकर यह महत्वपूर्ण शोध

कार्य किया है।

इस शोध में वैज्ञानिकों ने जर्मेनियम, एंटीमनी और सेलेनियम से बने विशेष प्रकार के कांच जैसे पदार्थों में चांदी की अलग–अलग मात्रा मिलाकर उनके संरचनात्मक, यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक और प्रकाशीय गुणों का विस्तृत अध्ययन किया। इसके लिए अत्याधुनिक कंप्यूटर आधारित वैज्ञानिक गणना पद्धति घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) का उपयोग किया गया। अध्ययन में पाया गया कि चांदी की मात्रा बढ़ाने से पदार्थों की आंतरिक परमाणु संरचना और इलेक्ट्रॉनिक गुणों में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। विशेष रूप से, पदार्थ का ऊर्जा अंतराल 1.80 इलेक्ट्रॉन वोल्ट से घटकर 0.98 इलेक्ट्रॉन वोल्ट पाया गया। यह परिणाम दर्शाता है कि पदार्थों के इलेक्ट्रॉनिक गुणों को आवश्यकता के अनुसार नियंत्रित करने की संभावनाएं मौजूद हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह शोध भविष्य में इन्फ्रारेड तकनीक, ऑप्टिकल सेंसर, प्रकाश आधारित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा आधुनिक डेटा स्टोरेज और मेमोरी उपकरणों के विकास में उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि, इन संभावनाओं की व्यावहारिक पुष्टि के लिए आगे प्रयोगात्मक अनुसंधान की आवश्यकता होगी। यह शोधपत्र 5 अक्टूबर 2026 को प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया तथा वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय पत्रिका एप्लाइड फिजिक्स ए के खंड 132 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. अभय प्रकाश श्रीवास्तव की यह वैज्ञानिक उपलब्धि कटरा गुलाब सिंह क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशन में उनका योगदान क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है।

मंत्री जयवीर सिंह ने कालीबाड़ी मंदिर पहुंचकर मां काली के दर्शन किये

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन लखनऊ के कालीबाड़ी मंदिर पहुंचकर मां काली के दर्शन किए और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की।

उन्होंने प्रदेश और देश की खुशहाली के साथ विश्व कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कालीबाड़ी मंदिर आस्था का बड़ा सिद्ध स्थल है। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्यटन अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने का काम किया जा रहा है। उपलब्ध भूमि के अनुसार दो चरणों में परियोजना तैयार की गई थी, जिसमें एक परियोजना का काम अभी चल रहा है। मंत्री ने बताया कि मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रफ्तार को लेकर प्रबंध समिति के सदस्यों और पुजारियों ने भी संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था केंद्रों पर पर्यटन सुविधाएं विकसित करने के लिए काम कर रही है। मां काली से प्रार्थना है कि सभी पर उनकी कृपा बनी रहे, देश आगे बढ़े और भारत एक बार फिर विश्वगुरु बने। नवरात्र और दशहरा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के सवाल पर जयवीर सिंह ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में धार्मिक आयोजन और त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब किसी में दंगा या उपद्रव करने का दुस्साहस नहीं है। यदि कोई ऐसा करता है तो प्रशासन उसके खिलाफ कार्रवाई करता है। मंत्री ने पिछली सरकारों के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय आए दिन दंगे और उपद्रव होते थे और लोग अपने त्योहार भी सुरक्षित तरीके से नहीं मना पाते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में कानून–व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, ताकि लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार त्योहार मना सकें। अयोध्या में इस साल होने वाले दीपोत्सव को लेकर पर्यटन मंत्री ने कहा कि योगी सरकार आने के बाद से हर साल दीपोत्सव को भव्य और दिव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। इस बार भी पिछले वर्षों के कीर्तिमान तोड़कर नए रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है।

बाढ़ प्रभावित सैंथा पहुंचे नगर विकास मंत्री,राहत कार्यो का जायजा

लखनऊ,संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बाढ़ राहत कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से आज लखनऊ की मलिहाबाद विधानसभा के अंतर्गत सैंथा ग्रामीण क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का पुनः स्थलीय निरीक्षण किया। नगर निगम के नवविस्तारित क्षेत्र में शामिल सैंथा में उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों, साफ–सफाई तथा प्रभावित नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि जैसे–जैसे बाढ़ का पानी उतर रहा है, वैसे–वैसे मक्खी–मच्छरों के प्रकोप तथा प्रदूषित जल और वायु से मनुष्यों एवं पशुओं में बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए प्रभावित क्षेत्रों में साफ–सफाई, दवा छिड़काव और जलनिकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमारियों की रोकथाम हो सके।निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने ड्रोन तकनीक से किए जा रहे दवा छिड़काव का जायजा लिया और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी आवश्यकता के अनुसार इस तकनीक से दवा छिड़काव कराने के निर्देश दिए।

काग संदेशा लाते

तुलसी से संवाद परिन्दों का फिर आना।
चूल्हे की मुस्कान बिस्तरों का सज जाना।
कोयल गाए गीत काग संदेशा लाते।
गाँवों का यह दृश्य दिलों को बहुत लुभाते।
अभ्यागत के ही लिए ऐसी प्यारी प्रीत है।
हर पक्षी के बोल में अनुपम स्वागत रीत है।।

बन चरणों की धूल साधु की वाणी बन के।
माटी का हर रंग हर रहा है दुख सब के।
हरियाली के बीज समाकर अपने अन्दर।
गाँवों को खुशहाल बनाती है यह हँसकर।
प्रेम सरलता सादगी रहती जिसकी ठाँव में।
भूल गया मानव इसे बैठ शहर की छाँव में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना शरण डिग्री कॉलेज की इकाई संख्या 047 द्वारा श्स्वच्छता ही सेवाश अभियान (17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026) के तत्वावधान में दिनांक 14 अक्टूबर 2026, दिन बृहस्पतिवार को महाविद्यालय परिसर में एक विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आधारित रहा

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेश कुमार यादव ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण में ही स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। अतः हम सभी को नियमित रूप से स्वच्छता के लिए समय देना चाहिए। अपने परिवार, कार्यस्थल, समाज एवं समुदाय में

इस कार्य के प्रति एक स्वस्थ जीवन शैली का निर्माण करते हुए हमारे युवा स्वयंसेवक स्वच्छता की इस मुहिम को पूरे देश में सफल बना सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर उनके श्स्वच्छ भारत मिशनश के सपने को पूरा करने की दिशा में इस अखिल भारतीय स्तर के कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

इस तरह के कार्य समाज में लोगों को प्रेरित करने और इस मुहिम को सफल बनाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा हैं। इसके पश्चात स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित विधि संकाय में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा स्वयंसेवकों का उत्सवर्धन करते हुए कार्यक्रम को जन–जन गांव–गांव गली गली एक घंटा स्वच्छता हेतु योगदान देने हेतु आवाहन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में आदर्श मिश्र, प्रिन्स अवस्थी, आदित्य यादव,आलोक, सौरभ आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: GEM/2026/B/8148156 दिनांक : 12.10.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 03.11.2026 को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0 : GEM/2026/B/8148156	अनुमानित मूल्य रू0 : 15020640.00
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल अभियंता/अलीगढ़ और टूण्डला के अधीन आपातकालीन मरम्मत कार्यों और अन्य संबद्ध कार्यों सहित सुरक्षा के लिए ट्रैक पर ठंड के मौसम में रात में गश्त का	
बयाने की रकम (रू) : 225100.00	कार्य समापन की अवधि : 90 दिन
निविदा समापन की तिथि : 03.11.2026 at 11:00	
निविदा खुलने की तिथि : 04.11.2026 at 11:00	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : कोई पी0वे0 का कार्य।	

1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित GeM पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 04.11.2026 समय 11:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको GeM की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 4. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये GeM की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 5. निविदादाता को जी.सी.सी. सर्विसेज 2018 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2328/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक नोटिस

(अन्तर्गत धारा 20एक (4) रेलवे अधिनियम 1989 यथा संशोधित 2008)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार ने रेलवे अधिनियम 2008 (2008 का 11) की धारा 20A की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत का राजपत्र, असाधारण भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii) प्राधिकार से प्रकाशित अधिसूचना संख्या 268 (3) दिनांक 16.01.2026 में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय (उत्तर मध्य रेलवे (निर्माण विभाग), प्रयागराज में अधिसूचना संख्या 4578 (3) दिनांक 17 अगस्त, 2026 (अंतर्गत धारा 20E) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले में विशेष रेल परियोजना, अर्थात 'मानिकपुर-इलाहाबाद तीसरी लाईन परियोजना' के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा की थी और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 20H की उपधारा (4) के अधीन दैनिक समाचार पत्रों दैनिक जागरण व अमर उजाला में दिनांक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था और इस परियोजना में प्राप्त सभी आक्षेप पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया। तदनुसार आदेश पारित कर दिए गए हैं, और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20E की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। केन्द्रीय सरकार को सक्षम प्राधिकारी से उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20E की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii) में सं0 4398 (3) नई दिल्ली दिनांक 19.08.2026 को रेल मंत्रालय (उत्तर मध्य रेलवे (निर्माण विभाग)) की अधिसूचना संख्या सं.अ. 4578 (3) दिनांक 17 अगस्त, 2026 से यह घोषणा कर दी गयी है तथा धारा 20E की उक्त घोषणा को दैनिक समाचार-पत्र दैनिक जागरण व द टाइम्स आफ इण्डिया के अंक दिनांक 06.09.2026 में सर्वसाधारण के लिए प्रकाशित कराया गया है। अतएव उक्त अधिनियम की धारा 20H की उपधारा (4) में प्रतिकर धनराशि को अवधारित करने से पूर्व इस आशय की सार्वजनिक नोटिस दी जाती है कि अर्जित की जानी भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्तियों से इस आशय का दावा आमन्त्रित किया जाता है कि अधिग्रहित भूमि में अपने से संबंधित हित को प्रकृति तथा ऐसे हितों के संबंध में दावे की धनराशि यदि कोई हो तो पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के भी दावे को साथ संलग्न करते हुए कार्यालय विशेष भूमि अध्यर्पित अधिकारी (सं0सं0) कलेक्ट्रेट परिसर प्रयागराज में अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन से एक सप्ताह के अन्दर प्रदान किया जाता है।

2333/26 (A) सक्षम प्राधिकारी/विशेष भूमि अध्यर्पित अधिकारी (सं0सं0) प्रयागराज

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

ट्रंप के भ्रम

इसमें दो राय नहीं कि कथित रूप से विश्व की महाशक्ति कहलाने वाले अमेरिका के भ्रम भी बड़े हैं। 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' की तर्ज पर दुनिया को हांकने वाले ट्रंप द्वारा रूसी डीजल खरीदने के निर्णय ने अमेरिका को एक बार फिर दुनिया में बेनकाब किया है। यह विडंबना है कि रूसी तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। अब वही ट्रंप जब घरेलू राजनीति की मुश्किलों में घिरे तो उन्होंने यूक्रेन युद्ध की तमाम नैतिक दलीलें ताक पर रख अब रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिया। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि पिछले दिनों ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत व चीन के रूस से कच्चा तेल खरीदने पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये अमेरिका के दोहरे चरित्र को ही उजागर करता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका की तमाम नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर खत्म हो जाती हैं।' 'पल में तोला, पल में माशा' वाले ट्रंप के बयानों पर विश्वास करना मुश्किल होता है। कब वे अपनी पहली बात से मुकर जाएं, कहना कठिन है। उनके भ्रामक बयानों ने पूरी दुनिया में अमेरिका की विश्वसनीयता को रसातल में पहुंचा दिया है। ट्रंप पहले दलील देते रहे हैं कि रूस से पेट्रोलियम पदार्थों को खरीदने का मतलब है कि यूक्रेनियों के संहार के लिये संसाधन उपलब्ध कराना। अब जब अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा तो क्या उससे रूस की आक्रामकता को बढ़ावा नहीं मिलेगा? लगातार यूक्रेन के समर्थन में बयानबाजी करने वाले ट्रंप ने अब डीजल खरीदने के लिये ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर बड़ा हमला बोला है। अब वे उन्हें शांति के रास्ते में बाधक बता रहे हैं। ट्रंप ने यहां तक कह दिया है कि अब यूक्रेन को अपना राष्ट्रपति बदल लेना चाहिए। उनके इस बयान से दुनिया व नाटो में खलबली मच गई है। यानी ट्रंप अमेरिकी डीजल जरूरतों के लिये यूक्रेन पर युद्ध खत्म कराने के लिये दबाव बना रहे हैं। दरअसल, ट्रंप की रूस से तेल खरीदने की नीति में आए बदलाव की असली वजह अगले माह अमेरिका में होने वाले चुनाव हैं। अमेरिका में डीजल के दामों में आई तेजी से जनाधार उनके खिलाफ हो रहा है। ईरान से जारी युद्ध के चलते पूरी दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत ही नहीं, तमाम यूरोपीय देश भी इस संकट से जूझ रहे हैं। लेकिन ट्रंप को सिर्फ अपने देश में होने वाले मध्यावधि चुनाव में जीत हासिल करने की चिंता है। उनकी लोकप्रियता का ग्राफ अमेरिका में तेजी से गिरा है। आखिर भारत जैसे देश भी वैश्विक तेल संकट में ऐसी ही परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। ईरान संकट के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सवाल यह है कि फिर कोई संप्रभु राष्ट्र अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिये रूस या अपनी सुविधा के देश से कच्चा तेल क्यों न खरीदे? आखिर तेल खरीद को लेकर अमेरिका के लिये अलग और अन्य देशों के लिये अलग मापदंड क्यों बनाये जा रहे हैं? आखिर भारत व चीन आदि की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? जाहिरा तौर पर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि का दबाव भारत के लिये भी उतना ही है। भारत जैसे देश के लिये तो यह चुनौती और बड़ी है क्योंकि हम अपनी ऊर्जा जरूरतों के 88 फीसदी पेट्रोलियम पदार्थ विदेशों से आयात करते हैं। वैसे तो अमेरिका दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों में शामिल है। बहरहाल, इस घटनाक्रम का एक सुखद पहलू यह भी है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल–डीजल खरीद पर प्रतिबंध हटने से इसकी वैश्विक उपलब्धता में वृद्धि होगी। जिससे इसकी कीमतों में स्थिरता आएगी। भरोसा है कि भारत की आर्थिकी को भी इससे राहत मिल सकेगी। वैसे यह भी हकीकत है कि भारत ने अमेरिका के तमाम दबावों के बावजूद अपने पुराने विश्वसनीय मित्र रूस से तेल खरीदना कभी बंद नहीं किया। अब भले ही उसका प्रतिशत कुछ कम–ज्यादा हुआ हो।

न्यायपालिका की तरफ बढ़े जनता के कदम

डॉ. दीपक पाचपोर

करोड़ों लोगों के वोटर लिस्ट से नाम कटने का मतलब है लोकतंत्र का ही खत्म हो जाना। ऊपर जिन मुद्दों का जिक्र किया गया है, उन पर देश में कई बार नाराजगी दिखाते हुए जनता सड़कों पर आई है।

सोमवार 12 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में विपक्षी दलों के नेतृत्व में आम जनता ने अभूतपूर्व विरोध–प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के एक आह्वान पर लाखों की संख्या में लोग जुटे, क्योंकि अब सवाल महज भ्रष्टाचार, काला धन, पेपर लीक, लड़कियों की सुरक्षा, सांप्रदायिक उन्माद जैसे मुद्दों का नहीं है, सवाल अपने नागरिक होने के हक को बचाने का है। अगर करोड़ों लोग वोट देने के अधिकार से ही वंचित कर दिए जाते हैं, तो फिर वे इस लोकतंत्र का हिस्सा भी नहीं रह जाएंगे। करोड़ों लोगों के वोटर लिस्ट से नाम कटने का मतलब है लोकतंत्र का ही खत्म हो जाना। ऊपर जिन मुद्दों का जिक्र किया गया है, उन पर देश में कई बार नाराजगी दिखाते हुए जनता सड़कों पर आई है। राजधानी दिल्ली में भी जे पी आंदोलन से लेकर अन्ना आंदोलन या पिछले बरसों में किसान आंदोलन, शाहीन बाग आंदोलन जैसी घटनाएं घटी हैं। ऐसे हरेक आंदोलन के पीछे सामाजिक, गैर सरकारी संगठन या विभिन्न राजनैतिक दल होते हैं। वे सरकार के खिलाफ अपने आक्रोश को दिखाने या अपनी मांगों के लिए सड़क पर उतरते हैं, सरकारें ताकत दिखाने के लिए कभी दमनकारी पैंतरे आजमाती है, कभी थोड़ी बहुत तकरार और बहस के बाद दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर आते हैं। लेकिन वोट चोरी के मुद्दे पर जनता की नाराजगी और विपक्ष के आह्वान पर खड़े हुए आंदोलन में केवल एक ही पक्ष तस्वीर में दिखाई दे रहा है। दूसरे पक्ष यानी सरकार की तरफ से केवल पुलिस, सुरक्षा बल या दक्षिणपंथी संगठनों के गुंडे–मवाली ही नजर आ रहे हैं। जिनसे शिकायत है, यानी प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्य चुनाव आयुक्त वे सब तस्वीर से इस तरह गायब हैं, मानो उन्हें जनता से कोई सरोकार ही नहीं है। उन्हें सत्ता मिल चुकी है और अब जनता उनकी नजरों से गायब है। इसलिए राहुल गांधी ने पहले ही आह्वान किया था कि अब वे इंडिया ब्लॉक की तरफ से भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलने जाएंगे और अपनी शिकायतों को उनके सामने रखेंगे। हालांकि सुबह ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने ऐसी किसी मुलाकात के लिए अपनी सहमति नहीं दी। उनका कहना था कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी याचिका दायर कर सकता है, चाहे वह आम नागरिक हो या किसी निर्वाचित निकाय का सदस्य। भारत के हर नागरिक को हमारे पास आने का अधिकार है। हम कानून के अनुसार उनकी शिकायतों पर सुनवाई करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग राहत पाने के हकदार हैं, उन्हें राहत मिले। मुख्य न्यायाधीश ने बिल्कुल कानूनसम्मत बात कही है। लेकिन अभूतपूर्व वक्त में फैसले भी अभूतपूर्व तरीके से ही लिए जाते हैं। जैसे पहले अदालत तक पहुंचना भी सबके बस में नहीं होता था। फिर 80 के दशक में न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती और न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्ण अय्यर ने पोस्टकार्ड पर लिखी शिकायत या याचिका को भी सुनवाई के योग्य माना, क्योंकि न्याय पाना हरेक का अधिकार है। इसके बाद अदालत ने तय किया कि गरीब, कैदी, बंधुआ मजदूर या शोषित व्यक्ति औपचारिक वकील या कोर्ट की जटिल प्रक्रिया का पालन करने में असमर्थ है, तो उसके द्वारा भेजा गया पोस्टकार्ड या पत्र भी रिट याचिका के रूप में दर्ज किया जा सकता है। ऐसी ही नयी पहल मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शुरु कर सकते थे कि वे देश की आधी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व कर रहे विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर उनसे शिकायती पत्र स्वीकार कर सकते थे। बाद में अदालत में मामला तो प्रक्रिया के मुताबिक ही चलता। बहरहाल, सीजेआई सूर्यकांत न्यायिक और लोकतांत्रिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अपना नाम दर्ज करवाने का मौका गंवा बैठे हैं। बीते शुक्रवार को ही राष्ट्रपति मुर्मू ने भी विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की। क्योंकि जिन ज्ञानेश कुमार से विपक्ष मिलना चाह रहा है, वो मिलने का वक्त तो दे ही नहीं रहे, बल्कि इस समय पूरी तरह गुमशुदा चल रहे हैं। विपक्ष उनसे मिलता तो उन्हें अपना पत्र सौंप कर पूछता कि आपके मातहत दोनों चुनाव आयुक्तों ने जो आपत्तियां बार–बार उठाईं, उन पर आपका क्या रुख है। चुनाव आयोग में एसआईआर को लेकर किस तरह फैसले लिए गए, कब–कब इस बारे में बैठक हुई, बैठकों का एजेंडा और मिनट्स सब की जानकारी मुहैया करा दीजिए। अगर ज्ञानेश कुमार विपक्ष की मांगों पर ऐसा करते तो आज लाखों लोगों को प्रदर्शन के लिए न उतरना पड़ता, न लाखों का पुलिस बल दिल्ली की सड़कों पर तैनात होता। 2024 के चुनाव के बाद जब राहुल गांधी ने महादेवपुरा और अलंद सीटों में वोटर लिस्ट की गड़बड़ी के सबूत प्रेस कांफ्रेंसस में दिखाए थे तो इन्हीं ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी के सामने दो विकल्प रखे थे या तो वे हलफनामा दें या फिर माफी मांगे, तीसरा विकल्प राहुल गांधी को ज्ञानेश कुमार ने नहीं दिया था। लेकिन राहुल गांधी ने इनकी जगह कई और प्रेस कांफ्रेंसेस कीं और कई जगहों पर वोट चोरी के सबूत पेश कर दिए। अब ज्ञानेश कुमार राहुल गांधी के सामने विकल्प नहीं रख रहे, बल्कि कहीं गायब होकर देश में लोकतंत्र का तमाशा बनते देख रहे हैं। हालांकि सोमवार की प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने फिर से ज्ञानेश कुमार के सामने विकल्प रखा है कि वे खुद आकर बता दें कि एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की साजिश किसके दबाव में रची गई। अगर ज्ञानेश कुमार ऐसा करते हैं, तब तो उनके पास बचने का मौका रहेगा, वर्ना कानूनन उन्हें सजा दिलाने का पूरा इंतजाम किया जाएगा, ऐसा दावा राहुल गांधी ने किया है।

जंतर मंतर खाली कराने के निहितार्थ

राजेंद्र शर्मा

मोदी–शाह की जोड़ी चाहे तो इसके लिए अपने गाल बजा सकती है कि 10 अक्टूबर को और उसके बाद भी उसने जंतर–मंतर को प्रदर्शनकारियों से खाली रखा है। पिछले कई वर्षों से राजधानी में जनतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का केंद्र रहे जंतर–मंतर की, जो कि देश की सत्ता के मुख्य केंद्र, संसद तथा शासन के अधिष्ठान, प्रधानमंत्री कार्यालय समेत मंत्रालयों तथा केंद्रीय सचिवालय के बहुत ही नजदीक है, इस बार उसने ऐसे पक्के किलेबंदी की थी कि परिंदा भी पर नहीं मार सका। वैसे दिल्ली पुलिस की सारी ताकत के ऊपर से, देश के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए 40 हजार से ज्यादा अर्द्घ–सैनिक बलों तथा तरह–तरह की वाहनियों के जवानों की आक्रामक तैनाती के जरिए, राजधानी को पुलिस राज्य में तब्दील करने और वहां एक नये तरीके का पूरा लॉकडाउन थोपने के बावजूद, जंतर–मंतर पर परिंदे के भी पर नहीं मार पाने की यह शेखी भी शायद पूरी तरह से सही नहीं है। बेशक, सांकेतिक तरीके से सही, 10 अक्टूबर को जंतर–मंतर की मोदीशाही की अभेद्य किलेबंदी को और किसी ने नहीं, सीपीएम के अस्सी वर्षीय वरिष्ठङ्ख नेता और केरल के पूर्व–मुख्यमंत्री, पिनराई विजयन ने अपने दो साथियों के साथ भेदकर दिखाया था और जंतर–मंतर के बीच खड़े होकर गिरफ्तारी से पहले नारा लगाया थाकृमोदी–शाह तुम देख लो, हम जंतर–मंतर पहुंच गए! फिर भी यह तो सच है कि मोदीशाही जंतर–मंतर को प्रदर्शनकारियों के लिए वर्जित क्षेत्र बनाने में कामयाब रही है। बेशक, दिल्ली को बाकायदा युद्घ के मैदान में तब्दील करने, करीब दस हजार लोगों को जिनमें युवाओं की संख्या सबसे बड़ी थी, निर्ममता से मार–पीट कर गिरफ्तार करने के जरिए, राजधानी को लगातार घेरेबंदी में रखने के जरिए और मौजूदा निजाम के फासीवादी चेहरे को नये–नये कोणों से उजागर करने के बाद ही, मोदीशाही को यह श्जीतश हासिल हुई है। और हाथ के हाथ, अपनी इस कामयाबी को पक्का करने की कोशिश में उसने राजधानी में सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल के रूप में जंतर–मंतर के तय किए जाने को खत्म ही करने का और इसके बदले में तीन सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल तय करने का ऐलान किया हैकृरामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली में सीबीडी ग्राउंड। लेकिन, इन नये प्रदर्शन स्थलों के अधिसूचित किए जाने से, जंतर–मंतर के पुलिस के बल पर शासन द्वारा कब्जाए जाने की जघन्यता कम नहीं हो जाती है। जंतर–मंतर का खाली कराया जाना, सिर्फ एक जगह का खाली कराया जाना नहीं है। यह जनतंत्र में प्रदर्शनों का बेदखल किया जाना है। यह लाठी के जोर से जनता की आवाज का बेदखल किया जाना है। यह जनतंत्र से जनता का ही बेदखल किया जाना है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि जंतर–मंतर को जनता से छीनने के बाद, उसे जो प्रदर्शन स्थल दिए जा रहे हैं, उनका चुनाव सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश नहीं दिखाता है कि जनता के प्रदर्शनों के शोर की आवाज से, लुटियन की दिल्ली में जमे शासकों की नींद में खलल नहीं पड़े। इन प्रदर्शन स्थलों का चुनाव इसकी कोशिश भी दिखाता है कि प्रदर्शनकारी आम देशवासियों से भी कटकर प्रदर्शन करते रहें। उनकी आवाज शासकों ही नहीं, आम देशवासियों तक भी नहीं पहुंचे। तानाशाहों को सबसे ज्यादा डर तो इसी से लगता है कि विरोध की कोई आवाज कहीं जनता तक नहीं पहुंच जाए और जनता इस विरोध की आवाज को अपनी आवाज न बना ले। रामलीला मैदान को छोड़कर, दोनों सुझाए गए नये प्रदर्शन स्थल एक प्रकार से प्रदर्शनों और विरोध को देश निकाला देने जैसे ही हैं। बहरहाल, इसका नतीजा चाहे जो हो और यह मौजूदा सत्ता के तानाशाहाना चेहरे को चाहे कितना ही बेनकाब क्यों न कर रहा हो, यह एक सबक है जो मोदीशाही ने 20 जुलाई के जंतर–मंतर के संसद मार्च और उसके बाद के घटनाक्रम से सीखा है, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाना भी शामिल था। मोदीशाही के दुर्भाग्य से, वर्तमान जंतर–मंतर–2 के केंद्र में भी, एक बुनियादी व्यवस्थागत विकृति के उपचार की शुरूआत के रूप में, वर्तमान सत्ता द्वारा संरक्षित एक उच्चाधिकारी के इस्तीफे की मांग की हैकृमुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। इस जंतर मंतर–2 को जंतर–मंतर से बेदखल करने के लिए, मोदीशाही का अपनी सारी दमनकारी ताकत झोंक देना, उसके पिछले आंदोलन के सबक को ही दिखाता है। और यह सबक है, अपने बढ़ते विरोध का सामना करने के लिए, तानाशाही की बहुत तगड़ी खुराक आजमाने की जरूरत का। तानाशाही की बहुत तगड़ी खुराक माने फासीवादी तानाशाही के रास्ते पर तेजी से बढ़ना। इसके लिए दो खासतौर पर हिंसक सबक मोदीशाही ने जंतर मंतर–1 से सीखे हैं। पहला, शासन की दमनकारी ताकत के प्रयोग में हिंसा के पैमाने और प्रकृति, दोनों के परिमाण में बहुत बढ़ोतरी का है। जंतर मंतर–2 के खिलाफ, पूरे शहर की जबर्दस्त किलेबंदी और जन–जीवन को ठप्प करने का ही रास्ता नहीं अपनाया गया है, जिसमें राजधानी की ओर आने वाली सैकड़ों रेलगाड़ियां तथा राजधानी में अधिकांश मैट्रो स्टेशन बंद करने से लेकर, संभावित प्रदर्शनकारियों की रास्ते में से ही तथा घरों से ही गिरफ्तारियां तक शामिल थीं। इसके अलावा, जंतर मंतर–1 से भिन्न इस बार, दमनकारी ताकत का इस्तेमाल अंधाधुंध तरीके से करने की जगह, उसे सोचे–समझे तरीके से टार्गेटेड बनाया गया है। दमनकारी हिंसा की इस टार्गेटिंग के हिस्से के तौर पर, एक आम तौर पर प्रदर्शनकारियों और खासतौर पर उनके नेताओं को चुन–चुनकर हिंसक हमलों का निशाना बनाया गया है। एक ओर अगर वामपंथी छात्र व युवा संगठनों के शीर्ष नेताओं को चुन–चुनकर, उन्हें शारीरिक चोट पहुंचायी गयी है, तो दूसरी ओर आम छात्राओं तथा छात्रों को यौन प्रतारणा तथा निजी अंगों पर प्रहार से लेकर, कपड़े फाड़ने तथा निर्वस्त्र तक करने के जरिए अपमानित करने का भी सहारा लिया गया है। और शारीरिक हमलों का सिलसिला हिरासत में न सिर्फ जारी रहा है बल्कि मोबाइल जेल जैसी अमित शाह की पुलिस की नयी खोजों का, विशेष रूप से इसी के लिए हिरासत में लिए गए युवाओं को, और भी असुविधाजनक तथा असहाय स्थिति में रखने के लिए किया गया है। इसका मकसद, उनका मनोबल बुरी तरह से तोड़ना ही था। दूसरी ओर, सीपीआई (एम) महासचिव, एमए बेबी और जॉन ब्रिटास समेत अनेक वामपंथी व अन्य सांसदों को सोचे–समझे तरीके से निशाना बनाया गया, ताकि आम तौर पर युवाओं में दहशत पैदा की जा सके। जंतर मंतर–2 के खिलाफ ऐसी ही टार्गेटिंग मीडिया और खासतौर पर डिजिटल मीडिया की भी की गयी। यह भी जंतर मंतर–1 से मोदीशाही द्वारा लिए गए सबक का ही मामला था। वह सबक यह था कि इंटरनेट को बंद कर के, शासन के दमन चक्र की खबरों के फैलने की रफ्तार को धीमा तो किया जा सकता है, लेकिन उनके फैलने को रोका नहीं जा सकता है। इसलिए, इस बार शुरू से ही डिजिटल मीडिया को एक प्रकार से पूरी तरह से कवरेज के क्षेत्र से ही बाहर रखने की कोशिश की गयी। मीडिया पास की कड़ी शर्तें लगायी गयीं और मीडियाकर्मियों को प्रदर्शन स्थलों से दूर से दूर रखने की ही कोशिश की गयी। इसके बाद भी, प्रदर्शन स्थलों के करीब पहुंच गए मीडियाकर्मियों को पहचान पत्रों से भली–भांति पहचाने जाने के बावजूद, न सिर्फ उठा–उठाकर पुलिस हिरासत की गाड़ियों में लादा गया, बल्कि उनके साथ मारपीट भी की गयी और अनेक मामलों में फोन छीनने से लेकर, तस्वीरें डिलीट कराने के लिए जोर–जबर्दस्ती भी की गयी। यहां तक कि एक जानी–मानी पत्रकार के हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे, पांच–छः अन्य पत्रकारों को भी उठा कर हिरासत में डाल दिया गया। जाहिर है कि यह खबरों को और खासतौर पुलिसिया हिंसा की तस्वीरों को बाहर ही नहीं आने देने की कोशिश थी।

चुनावी लोकतंत्र बहाल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्णायक कदम उठाने होंगे

के रवींद्रन

भारत का चुनावी लोकतंत्र एक ऐसे नाजुक मोड़ पर है जहां न्यायिक दखल सिर्फ प्रक्रिया की जांच और चिंता जताने तक सीमित नहीं रह सकता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर बढ़ता विवाद, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाना, और जन–विरोध प्रदर्शनों पर सरकार का लगातार सख्त रवैया– इन सबने एक संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है जिसके लिए असाधारण कदम उठाने की जरूरत है। सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायिक निगरानी में इस विवादित प्रक्रिया को आगे बढ़ने की इजाजत दी थी, इसलिए अब यह सुनिश्चित करने की उसकी ही खास जिम्मेदारी है कि कहीं उसकी मंजूरी से अनजाने में ही वोट देने के मौलिक अधिकार को कमजोर न किया गया हो। यह टकराव चुनावी प्रशासन के पारंपरिक दायरे से काफी आगे निकल चुका है। विपक्षी दल, नागरिक समाज संगठन और युवा आंदोलन न सिर्फ चुनाव आयोग के अलग–अलग फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं, बल्कि खुद इस संस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। 10 अक्टूबर के प्रदर्शनों से पहले नई दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना, सार्वजनिक परिवहन पर रोक लगाना और हजारों सुरक्षाकर्मियों की तैनाती ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि नरेंद्र मोदी सरकार चुनाव आयोग की आलोचना को अपनी सत्ता के लिए चुनौती मानती है। सरकार का खुद को संवैधानिक रूप से स्वतंत्र संस्था के साथ इस तरह जोड़कर देखना बेहद चिंताजनक है। चुनाव आयोग न तो कार्यपालिका का कोई हिस्सा है और न ही सत्ताधारी पार्टी के प्रति जवाबदेह कोई प्रशासनिक विभाग। इसकी स्वतंत्रता एक जरूरी सुरक्षा कवच है जो यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल करने वाले लोग उन हालात में हेरफेर न कर सकें जिनके तहत वह सत्ता दोबारा हासिल की जाती है। जब सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ शिकायतों को दूर करने के बजाय उन्हें सार्वजनिक जवाबदेही से बचाने के लिए ज्यादा तत्पर दिखती है, तो संस्थागत अंतर खतरनाक रूप से धुंधला हो जाता है। ज्ञानेश कुमार को हटाने का संसदीय रास्ता बेहद मुश्किल साबित हुआ है। अनुच्छेद 324(5) मुख्य चुनाव आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के जज के बराबर सुरक्षा देता है। उन्हें हटाने के लिए एक कठिन संसदीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जिसमें विशेष बहुमत की जरूरत होती है, जिससे विपक्ष के अलावा बड़े पैमाने पर समर्थन के बिना सफलता लगभग असंभव हो जाती है। वह संवैधानिक सुरक्षा इसलिए बनाई गई थी ताकि चुनावी स्वतंत्रता में कार्यपालिका का मनमाना दखल रोका जा सके। इसका मकसद कभी भी असंवैधानिक कामकाज या प्रशासनिक गड़बड़ी की न्यायिक जांच से छूट देना नहीं था। यह फर्क बहुत जरूरी है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय सिर्फ अपनी खास शक्तियों का इस्तेमाल करके मुख्य चुनाव आयुक्त को नहीं हटा सकता। हटाने से जुड़े संवैधानिक नियम गंभीर संस्थागत संकट के समय भी लागू रहते हैं। फिर भी, न्यायपालिका के पास गैर–कानूनी फैसलों की जांच करने, असंवैधानिक प्रक्रियाओं को रद्द करने, संस्थागत जवाबदेही तय करने और यह पता लगाने का काफी अधिकार है कि क्या आयोग ने अपनी कानूनी शक्तियों से बाहर जाकर काम किया है। असरदार न्यायिक दखल की शुरुआत जरूरी नहीं कि हटाने के आदेश से ही हो। इसकी शुरुआत उन फैसलों की कड़ी जांच से होनी चाहिए जिन्होंने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में हुई घटनाओं ने ऐसी जांच को जरूरी बना दिया है। ये आरोप कि ज्ञानेश कुमार ने बाकी दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना एसआईआर से जुड़े अहम फैसले लिए, सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर बुनियादी सवाल उठाते हैं। तीन सदस्यीय आयोग के भीतर मतभेदों की खबरों ने उन फैसलों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के लिए आधार दिया है जो कथित तौर पर एकतरफा लिए गए थे। अगर ये आरोप साबित हो जाते हैं, तो ये प्रशासनिक मतभेदों से कहीं ज्यादा गंभीर बात की ओर इशारा करेंगे। ये उन संस्थागत सुरक्षा उपायों के संभावित टूटने का संकेत देंगे जिनका मकसद चुनावी अधिकार को एक व्यक्ति के हाथों में केंद्रित होने से रोकना था। सर्वोच्च न्यायालय की 5 अक्टूबर की कार्रवाई में इन आरोपों की गंभीरता और बिना पक्के सुबूतों के कार्रवाई करने में न्यायपालिका की हिचकिचाहट, दोनों ही बातें दिखीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सिर्फ अखबारों की खबरों के आधार पर कुमार को निलंबित करने से इन्कार कर दिया। फिर भी, उसने आयोग और अन्य पक्षों से जवाब मांगा और संकेत दिया कि कानूनी जरूरतों के खिलाफ पाए गए फैसलों पर रोक लगाई जा सकती है या उन्हें रद्द किया जा सकता है। जल्दबाजी में सजा देने से इन्कार करने और सार्थक दखल से पीछे हटने के बीच का अंतर अब न्यायालय के नजरिए का आधार बनना चाहिए। तुरंत जरूरत इस बात की है कि आयोग के अंदरूनी रिकॉर्ड की पारदर्शी जांच हो, जिसमें विवादित फैसले, दर्ज आपत्तियां और एसआईआर को मंजूरी देने में अपनाई गई प्रक्रियाएं शामिल हों। न्यायिक जांच से यह पता चलना चाहिए कि क्या आयोग ने मिलकर काम किया, क्या अलग राय पर ठीक से विचार किया गया और क्या लाखों मतदाताओं पर असर डालने वाले फैसले संवैधानिक गारंटी के मुताबिक थे? जहां नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, वहां राजनीतिक नतीजों की परवाह किए बिना सुधार के आदेश दिए जाने चाहिए। नागरिकता पुष्टिकरण और मतदाता का निबंधन के बीच का रिश्ता एक और संवैधानिक पेंचीदगी पैदा करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले एसआईआर की जांच करते समय चुनावी ढांचे के अंदर योग्यता की जांच करने के आयोग के अधिकार को माना था, जिसमें नागरिकता से जुड़े सवाल भी शामिल थे। हालांकि, उस अधिकार को राष्ट्रीयता के बारे में अंतिम फैसला लेने की आम शक्ति नहीं समझा जाना चाहिए। मतदाता सूची से नाम हटाने से नागरिकता खत्म नहीं हो सकती, और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को इस बुनियादी कानूनी अंतर को धुंधला करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट के पिछले नजरिए की आलोचना, जिसमें पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज वी. गोपाला गौड़ा की आपत्तियां भी शामिल हैं, पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। न्यायिक फैसलों पर दोबारा विचार किया जा सकता है अगर उनके लागू होने से संवैधानिक खतरे सामने आते हैं। न्यायपालिका की संस्थागत विश्वसनीयता हर पूर्व निर्णय का बचाव करने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि त्रुटियों को सुधारने और अपने पर्यवेक्षण में प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के दुरुपयोग को रोकने की उसकी तत्परता को प्रदर्शित करने पर निर्भर करती है। प्रदर्शनों से निपटने के सरकार के तरीके ने इस जिम्मेदारी को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है।

एक्ट्रेस ने जीता सबका दिल, 400 परिवारों का सहारा बनीं रश्मिका मंदाना

3 महीने तक उठाएंगी राशन का खर्च

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने फैंस को हैरान करते हुए घोषणा की कि वे जरूरतमंदों की मदद करने की अपनी कोशिशों के तहत तीन महीने के लिए 400 परिवारों को गोद ले रही हैं। एक्ट्रेस, जो अपनी आने वाली फिल्म रणबाली में जयम्मा का किरदार निभा रही हैं, ने बताया कि उनके किरदार और उनकी असल जिंदगी की पर्सनैलिटी में बहुत सी समानताएं हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनकी यह पहल दूसरों को भी मदद का हाथ बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर रश्मिका ने बताया कि उन्होंने अब तक अपने चौरिटी के कामों को गुप्त रखा था, लेकिन दूसरों को समाज में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने की उम्मीद में उन्हें सबके साथ साझा करने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा कि वह अगले साल भी इस पहल को जारी रखेंगी, एक बार में तीन महीने के लिए 400 परिवारों को सपोर्ट करेंगी और उन्हें किराने के सामान पर खर्च होने वाले पैसे बचाने में मदद करेंगी। उन्होंने आगे लिखा, आप जो किरदार निभाते हैं, उनमें कुछ ऐसा होता है जो आप पर असर डालता है... आप में से बहुत से लोग पूछते रहते हैं कि क्या जयम्मा और मुझमें कोई समानता है और मेरा जवाब है हां – और यह उनमें से एक है, मैं हमेशा से ऐसी ही रही हूँ और वह भी ऐसी ही है और आप मुझे जो प्यार देते हैं, उसके लिए मैं हमेशा ऐसे काम करती रहूंगी लेकिन मैंने इसे हमेशा गुप्त रखा क्योंकि मुझे लगता था कि अगर मुझे पता है, मेरी टीम को पता है और हममें से कुछ लोगों को पता है तो यह काफी है लेकिन अब मैं इस बारे में खुलकर बात कर रही हूं क्योंकि मैं सोच रही हूं। अगर यह आप प्यारे लोगों को ऐसा कुछ करने के लिए प्रेरित कर सके तो मुझे खुशी होगी। उन्होंने आगे कहा इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न अभी इसी काम से शुरुआत की जाए। आज मैंने 400 परिवारों को गोद लिया है और मैं एक बार में 400 परिवारों की 3 महीने तक मदद करना चाहती हूं और अगले एक साल तक इसे जारी रखना चाहती हूं। उम्मीद है कि वे राशन पर होने वाले खर्च को बचा पाएंगे और उस पैसे का इस्तेमाल बचत करने और अपने भविष्य को बेहतर बनाने में कर पाएंगे। उन्होंने आगे लिखा, ष्दया का एक छोटा सा काम भी किसी व्यक्ति की जिंदगी बदल सकता है और इसके लिए बहुत बड़ा काम करने की जरूरत नहीं है। आइए हम सब कुछ छोटे से शुरुआत करें और यकीन मानिए, ये मुस्कानें उन सभी रातों की नींद की कमी, चोटों, संघर्षों, दर्द और आंसुओं से कहीं ज्यादा कीमती हैं, जिनसे मुझे पिछले कुछ सालों में गुजरना पड़ा है। यह अनमोल है !! यह पहल राहुल सांकृतियन के निर्देशन में बनी पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म रणबाली की रिलीज से पहले शुरू की गई है। 1876–78 के मद्रास अकाल की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में विजय देवरकोंडा रणबाली की भूमिका में हैं, जो ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने वाला एक योद्धा है, जबकि रश्मिका उनकी पत्नी और साथी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'धुरंधर द रिवेंज' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 18 अक्टूबर को, स्टार गोल्ड पर देखें फिल्म

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' को लेकर दर्शकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। फिल्म का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 18 अक्टूबर 2026 को शाम 7 बजे स्टार गोल्ड पर होगा। दशहरे के मौके पर दर्शक इस फिल्म का घर बैठे लुत्फ उठा सकेंगे। यह प्रीमियर 'धुरंधर' के शानदार टीवी प्रदर्शन के बाद हो रहा है, जिसने महज चार घंटे में 5.3 करोड़ दर्शकों तक पहुंच बनाई थी। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी 'धुरंधर द रिवेंज' को आदित्य धर ने लिखा, निर्देशित और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 'धुरंधर' की कहानी को आगे बढ़ाती है, जिसमें एक्शन, साजिश और हाई–स्टेक्स ड्रामा देखने को मिलेगा। जियोस्टार के प्रवक्ता के मुताबिक, 'धुरंधर' के टीवी प्रीमियर को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था। अब 'धुरंधर द रिवेंज' के जरिए फ्रेंचाइजी का अगला अध्याय देशभर के घरों तक पहुंचाया जाएगा। फिल्म में दमदार परफॉर्मेंस, एक्शन और ड्रामा के साथ बड़े पर्दे जैसा अनुभव देने की कोशिश की गई है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है, जबकि इसका संगीत शाश्वत सचदेव ने तैयार किया है। अब टीवी दर्शकों को इस एक्शन–ड्रामा फिल्म को घर बैठे देखने का मौका मिलेगा। 'धुरंधर द रिवेंज' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 18 अक्टूबर 2026 को शाम 7 बजे, सिर्फ स्टार गोल्ड पर होगा।

'पहला प्यार दूसरी बार' के नए पोस्टर्स में दिखी यंग लव की मस्ती, 6 जोड़ियों की केमिस्ट्री ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

रोमांस, दोस्ती और मजेदार नोकझोंक से भरपूर फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ने लगी है। थिएटर में फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने छह ऑन–स्क्रीन जोड़ियों के नए पोस्टर्स जारी किए हैं। इन पोस्टर्स में कहीं शरारती अंदाज नजर आ रहा है, तो कहीं रोमांस के साथ हल्की–फुल्की टकरार देखने को मिल रही है। फिल्म के पोस्टर्स का अंदाज आज के युवाओं के रिश्तों और उनकी मस्ती को दर्शाता है। लव फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

छह नए चेहरों की जोड़ियां दिखाएंगी प्यार के अलग–अलग रंग

फिल्म में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अनुज सैनी ने किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गर्ग इसके सह–निर्माता हैं। नए पोस्टर्स में सभी कलाकारों की जोड़ी को अलग–अलग अंदाज में पेश किया गया है। इनके पोज और एक्सप्रेशन फिल्म की यंग एनर्जी और हल्के–फुल्के रोमांस की झलक देते हैं। मेकर्स ने इन तस्वीरों के जरिए फिल्म के किरदारों और उनके रिश्तों की दिलचस्प केमिस्ट्री को सामने लाने की कोशिश की है।

कहीं पिगीबैक पोज, तो कहीं 'रेड फ्लैग' पर मजेदार अंदाज

पोस्टर्स में कुणाल वैद और साक्षी वैद्य की जोड़ी पिगीबैक पोज में नजर आ रही है, जो दोनों के बीच मस्ती और शरारत का संकेत देता है। वहीं, अलीशा चोपड़ा और स्पर्श वालिया के पोस्टर में पीले रंग के काटन टेप का इस्तेमाल किया गया है। यह विजुअल रिश्तों में दिखने वाले रेड फ्लैग को मजेदार अंदाज में पेश करता है। दूसरी ओर, तुषार छिब्बर सरगुन कौर लूथरा को अपने कंधों पर उठाए दिखाई दे रहे हैं। इन पोस्टर्स में हर जोड़ी का अंदाज अलग है, जो फिल्म के रोमांटिक और कॉमेडी से भरे मिजाज को दिखाता है।

दोस्ती, पहला क्रश और प्यार को दूसरा मौका देने की कहानी

लव रंजन, जहान हांडा और अनुज सैनी की लिखी 'पहला प्यार दूसरी बार' एक रोमांटिक कॉमेडी है। फिल्म में दोस्ती, पहले क्रश, रिश्तों की उलझनों और प्यार को एक और मौका देने जैसे पहलुओं को हल्के–फुल्के अंदाज में दिखाया जाएगा। नई स्टारकास्ट, म्यूजिक और आज के दौर के रोमांस को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह फिल्म युवाओं के रिश्तों से जुड़ी भावनाओं और अनुभवों को पर्दे पर लाने की कोशिश करेगी। अब देखना होगा कि छह नई जोड़ियों की यह कहानी दर्शकों को कितना पसंद आती है। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति सेनन की मैडॉक के साथ 9वीं फिल्म, पहली बार करेंगी प्योर हॉरर में काम

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी फिल्मों के जरिए लगातार नए किरदारों और जॉनर में हाथ आजमा रही हैं। 'मिमी', 'भेड़िया', 'दो पत्ती', 'क्रू' और 'बरेली की बर्फी' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का हुनर दिखा चुकीं कृति अब एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस मैडॉक फिल्म्स की एक बड़ी प्योर हॉरर फिल्म में लीड रोल निभाती नजर आएंगी। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो मैडॉक के साथ यह उनकी नौवीं फिल्म होगी। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सोर्स के मुताबिक, कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' और 'तेरे इश्क में' को लेकर मिल रही सराहना के बाद अपना अगला प्रोजेक्ट फाइनल कर लिया है। इस फिल्म में वह बतौर सोलो लीड नजर आएंगी। इससे पहले कृति मैडॉक फिल्म्स की 'मिमी' में मुख्य भूमिका निभा चुकी हैं, जिसके लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। ऐसे में इस नए प्रोजेक्ट के जरिए एक बार फिर मैडॉक के साथ उनकी जोड़ी देखने को मिल सकती है।

गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी जल्द मचाएगी धमाल, नए टीज़र ने बढ़ाई टीवी पर वापसी की उत्सुकता

लोकप्रिय टीवी अभिनेता गौरव खन्ना और कुंडली भाग्य फेम अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को एक साथ स्क्रीन पर देखने के लिए फैंस बेताब हो गए हैं। हाल ही में स्टार प्लस द्वारा जारी किए गए एक नए टीज़र ने इन अटकलों को हवा दे दी है कि गौरव खन्ना एक बार फिर फिक्शन टीवी धारावाहिकों की दुनिया में धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। एकता कपूर के बैनर तले बनने वाले इस नए शो को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्टार प्लस द्वारा जारी इस टीज़र ने गौरव की टीवी सीरियल्स में संभावित वापसी के बारे में अटकलों को हवा दी है, खासकर खतरों के खिलाड़ी 15, बिग बॉस 19 और सेलिब्रिटी मास्टरशेफ जैसे हालिया रियलिटी शो में उनकी मौजूदगी के बाद। मंगलवार को स्टार प्लस ने गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या स्टारर अपने आने वाले फिक्शन शो का पहला प्रोमो जारी किया। इस शो को एकता कपूर का बालाजी टेलीफिल्म्स प्रोड्यूस कर रहा है।

क्या गौरव खन्ना लगातार कई रियलिटी शो के बाद टीवी पर वापसी करेंगे?

टीज़र में गौरव खन्ना को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की ऑफिस बिल्डिंग में आते हुए देखा जा सकता है। इसके तुरंत बाद, श्रद्धा आर्या दूसरी कार में आती हैं, और मीडियाकर्मी दोनों एक्टर्स से शूट के बारे में सवाल पूछते हैं। उनकी इस मौजूदगी ने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में उत्सुकता जगा दी है। हालांकि, शो की कहानी, फॉर्मेट और पूरी कास्ट के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। टीज़र शेयर करते हुए स्टार प्लस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ष्कुछ बहुत रोमांचक आने वाला है...

गौरव खन्ना के हालिया रियलिटी शो के बारे में

काम की बात करें तो, गौरव खन्ना टीवी शो अनुपमा में रूपाली गांगुली के साथ अनुज कपाड़िया का किरदार निभाने के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं।

मिनटों में गायब होंगे चेहरे के पिंपल्स से लेकर झुर्रियां, बस इस तरह से लगाएं कच्ची हल्दी

क्या आपने कभी सोचा है कि शादी से पहले के उत्सवों के दौरान हल्दी समारोह क्यों किया जाता है? यह सदियों पुराना अनुष्ठान जोड़े के लिए एक नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है और यह भी माना जाता है कि हल्दी जल्द ही शादी करने वाले जोड़े को बुरी नज़र से बचाता है। शादी से पहले हल्दी या कच्ची हल्दी लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि दूल्हा और दुल्हन को चमकदार और साफ त्वचा का आशीर्वाद मिले। ऐसा इसलिए है क्योंकि हल्दी अपने उपचार, सूजन–रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। कच्ची हल्दी खनिज और विटामिन से भरपूर होती है। यह भी माना जाता है कि पाउडर या सूखे रूपों की तुलना में इसमें कर्क्यूमिन की उच्च सांद्रता होती है। साथ ही, हल्दी उत्पादों में पाए जाने वाले रासायनिक तत्व फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए कच्ची हल्दी को शामिल करें

मुंहासे सबसे आम त्वचा समस्याओं में से एक है जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। मुंहासों के इलाज के लिए कच्ची हल्दी एक बेहतरीन उपाय हो सकती है। यह त्वचा की सूजन को कम करता है और मुंहासों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा, फार्माट्यूटर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि करक्यूमिन ब्रेकआउट से लड़ सकता है।

नेचुरल चमक

चमकदार, प्राकृतिक रूप से दमकती त्वचा पाने का सपना कौन नहीं देखता? कच्ची हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को फिर से जीवंत करने, प्राकृतिक चमक देने में सहायता करते हैं। हल्दी को ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए नहीं तो यह त्वचा को पीलापन दे सकती है।

नमी प्रदान करता है

सर्दियों का मौसम त्वचा की कई समस्याओं के साथ आता है, जिसमें रूखापन भी शामिल है, जिससे हमारा चेहरा सुस्त दिखने लगता है। त्वचा को गहरी नमी प्रदान करने के लिए घर पर बना हल्दी मास्क या पैक लगाना बहुत उपयोगी हो सकता है। यह मृत त्वचा कोशिकाओं को भी हटाता है जिससे नई त्वचा कोशिकाओं का पुनर्जनन होता है।

समय से पहले बुढ़ापा कम करता है

यूवी किरणों और पर्यावरण प्रदूषण के संपर्क में आने से त्वचा के प्राकृतिक तेल संतुलन में बाधा आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप महीन रेखाएं, झुर्रियां और उम्र के धब्बे सहित समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने लगती है। करक्यूमिन, एक उच्च एंटीऑक्सीडेंट यौगिक होने के कारण, कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है और आपकी त्वचा की लोच को मजबूत करता है।

खाली पेट पपीता का सेवन किसी रामबाण से कम नहीं है, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ आदतें को अपनाना काफी जरुरी होता है। अगर सुबह की शुरुआत हेल्दी खाने से की जाए, तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। रोजाना खाली पेट पपीता खाने से सेहत को जबरदस्त फायदे मिलते हैं। पपीता न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस होता है, इसके सेवन से सेहत मस्त रहती है। पपीता में विटामिन ए, सी, ई से लेकर माइक्रो न्यूट्रिएंट्स फोलेट, पोटैशियम, कॉपर और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है। इसके साथ ही पपीता डाइजेशन के लिए काफी बढ़िया है। आइए जानते हैं रोजाना खाली पेट नाश्ते में पपीता खाने से क्या होता है?

कब्ज और डाइजेशन की समस्या दूर होती है

यदि आपको कब्ज की दिक्कत रहती है, खाना भी नहीं पचता और अपच हो जाती है तो पपीता खाएं। पेपिन एंजाइम कब्ज से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही डाइजेशन का बेहतर करता है। खाली पेट पपीता खाने से बॉडी डिटॉक्स होती है। चाहें आप शाम को भी स्नैक्स में पपीता खा सकते हैं।

पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब करता

शाम को स्नैक्स टाइम पर पपीता खाने से करीब दो घंटे बाद पपीता खाते हैं। यह जरुरी न्यूट्रिएंट्स को तेजी से अब्जॉर्ब करता है।

बॉडी डिटॉक्स करता है

दरअसल, पपीता में फाइबर की मात्रा बहुत होती है। अगर आप खाली पेट पपीता खाते हैं तो शरीर में फाइबर का कंटेट बढ़ता है और सारे टॉक्सिंस को आसानी से बाहर निकालता है। जिससे बॉडी की सारी गंदगी बाहर आ जाती है।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता

गौरतलब है कि खाली पेट ब्लड शुगर लेवल अचानक से बढ़ने लगता है। ऐसे में सुबह पपीता खाने से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है और ग्लाइसेमिक कंट्रोल में रखता है।

भूख कंट्रोल करता है

यदि आप खाली पेट ब्रेकफास्ट में पपीता खाते हैं तो इससे पेट भरा हुआ महसूस करता है और भूख शांत रहती है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

विटामिन सी और ई से भरपूर होता है पपीता। इसके सेवन से स्किन को काफी फायदा होता है। खाली पेट खाने से स्किन के लिए जरुरी न्यूट्रिएंट्स भी बॉडी सोख लेता है। इससे स्किन चमकने लगती है और टाइट बनी रहती है। चेहरे की झुर्रियां भी गायब हो जाती है।

लिविंग एरिया को है चमकाना तो विनेगर का ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें।

लिविंग रूम घर का ऐसा हिस्सा होता है, जहां पर कोई भी व्यक्ति आकर बैठता है। ऐसे में अगर लिविंग एरिया गंदा हो या फिर वहां से अजीब सी स्मेल आ रही हो तो इससे आपकी पर्सनैलिटी पर भी नेगेटिव इफेक्ट पड़ता है। अमूमन यह देखने में आता है कि लिविंग एरिया की क्लीनिंग के लिए हम कई तरह के केमिकल बेस्ड क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जब ये केमिकल्स सांस के जरिए अंदर जाते हैं तो इससे आपको काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने लिविंग रूम को विनेगर की मदद से क्लीन करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लिविंग एरिया को क्लीन करने के लिए विनेगर का इस्तेमाल किस तरह किया जाए–

सोफे की करें सफाई

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें। अब इसे स्प्रे करें, लेकिन फर्नीचर को बहुत गीला न करें। इसे हवा में सूखने दें।

वहीं अगर सोफे पर दाग लगा है तो 1 भाग सिरका और 1 भाग पानी के मिश्रण से दाग को साफ करें। ज़्यादा मुश्किल दागों के लिए, पहले उस जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें, फिर सिरका स्प्रे करें। इसे कुछ मिनट तक फ़िज़ होने दें, कपड़े से धीरे–धीरे रगड़ें और पोंछकर साफ़ करें।

विंडो को करें क्लीन

लिविंग रूम के विंडो की क्लीनिंग के लिए भी सिरके की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में एक भाग सिरका और दो भाग पानी मिलाएं। अपनी खिड़कियों पर स्प्रे करें, फिर इसे माइक्रोफ़ाइबर कपड़े से पोंछें। जिद्दी दागों के लिए, थोड़ा ज़्यादा सिरका लगाकर रगड़ें, फिर साफ कपड़े से उसे क्लीन करें।

कारपेट को करें क्लीन

लिविंग रूम में रखा कारपेट बहुत जल्दी गंदा हो जाता है। ऐसे में उसे साफ करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल करें। इसके लिए, आप बराबर मात्रा में सिरका और पानी के मिश्रण से उस जगह को साफ करें। इसके बाद, दाग पर बेकिंग सोडा छिड़कें, इसे सूखने दें और वैक्यूम करें।

महीनों खराब नहीं होंगी मिठाई, जब आजमाएंगे स्टोर करने के ये आसान से तरीके

त्योहारों में अक्सर मिठाई बहु ज्यादा आ जाती है, जिसे संभालना बेहद मुश्किल भरा काम है। मिठाइयों में दूध, घी और अन्य सामग्री का इस्तेमाल होता है, जो जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए इन्हें सुरक्षित तरीके से स्टोर करना जरूरी है। बची हुई मिठाई को सही तरीके से स्टोर करने से उनकी ताजगी बनाए रखी जा सकती है और वे जल्दी खराब नहीं होतीं। यहां कुछ आसान तरीके बताए गए हैं जिनसे आप बची हुई मिठाई को ज्यादा समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

मिठाइयों को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें। यह हवा के संपर्क से मिठाई को बचाता है, जिससे वह ज्यादा दिनों तक ताजगी बनाए रखती है और खराब नहीं होती। जिन मिठाइयों में दूध, क्रीम या मावा का इस्तेमाल हुआ है, उन्हें फ्रिज में रखना सबसे अच्छा है। इन्हें स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर या अच्छी क्वालिटी के प्लास्टिक रैप में ढक दें। ठंडे तापमान में मिठाई ज्यादा समय तक ताजी रहती है और उसमें बैक्टीरिया नहीं पनपते, जिससे वे जल्दी खराब नहीं होतीं।

फ्रीजर में स्टोर करें

अगर मिठाई जल्दी इस्तेमाल में नहीं आनी है, तो आप इसे फ्रीजर में भी स्टोर कर सकते हैं। बस मिठाई को एयरटाइट कंटेनर में रखें या प्लास्टिक रैप से ढक दें। मिठाइयाँ फ्रीजर में कई हफ्तों तक सुरक्षित रह सकती हैं। जब इन्हें इस्तेमाल करना हो, तो निकालकर सामान्य तापमान पर पिघला लें। कुछ मिठाइयां जैसे रसगुल्ला या गुलाब जामुन में ज्यादा नमी होती है। इन्हें स्टोर करते समय एक किचन पेपर में लपेट कर रखें। इससे अतिरिक्त नमी किचन पेपर में सोख ली जाती है। मिठाई में फालतू नमी नहीं रहेगी और वह ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रहेगी।

एक साथ अलग–अलग मिठाइयां न रखें

एक ही कंटेनर में अलग–अलग प्रकार की मिठाइयाँ रखने से उनकी खुशबू और नमी आपस में मिक्स हो सकती है, जिससे मिठाइयां जल्दी खराब हो सकती हैं। हर मिठाई का स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहती है। स्टोर की गई मिठाइयों को नियमित रूप से जांचते रहें ताकि अगर वे खराब होने लगें तो समय रहते उपयोग कर सकें या हटा सकें। इससे आप बचे हुए मिठाई का सही उपयोग कर पाएंगे और कोई मिठाई बर्बाद नहीं होगी।

खास मिठाइयों के लिए अलग स्टोरेज टिप्स

रसगुल्ला,गुलाब जामुन, इन्हें हमेशा उनके सिरप के साथ फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों के भीतर इस्तेमाल कर लें।

मावा और दूध से बनी मिठाई जैसे कि खीर, बर्फी, पेड़ा – इन्हें फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों में इस्तेमाल कर लें।

लड्डूध्बर्फी (सूखी मिठाइयां): इन्हें एयरटाइट डिब्बे में कमरे के तापमान पर रखा जा सकता है।

बेटी को पहनाना है लहंगा–चोली या सूट? इन स्टार किड्स के ट्रेडिशनल स्टाइल से लें सकते हैं आइडिया

कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपनी छोटी बेटियों को इंडियन आउटफिट में स्टाइल करते हैं, जिससे वे न केवल पारंपरिक लुक को अपनाते हैं, बल्कि उनकी बेटियां भी खूबसूरत और संस्कारी दिखाई देती हैं। इन स्टार किड्स से आप भी अपनी बेटी के लिए कुछ शानदार आइडियाज ले सकती हैं। आइए जानते हैं उन सेलेब्रिटीज के बारे में जिन्होंने अपनी बेटियों को इंडियन आउटफिट पहनाया और अपने फैंस को फैशन इंस्पिरेशन दी

बिपाशा बसु की बेटी देवी

बिपाशा बसु की बेटी देवी भी कई बार इंडियन वियर पहन चुकी है। हाल ही में सामने आई तस्वीरें में उननकी छोटी सी बच्ची लाल लहंगे में बेहद सुंदर लग रही थी। देवी ने मैचिंग दुपट्टा भी कैरी किया हुआ था। आप भी अपनी बेटी के इंडियन लुक के साथ ये क्यूट सा हेयरस्टाइल बना सकती हैं।

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा इंडियन आउटफिट्स में बेहद क्यूट लगती हैं। शिल्पा ने गणेश चतुर्थी और दिवाली जैसे त्योहारों पर समीशा को लहंगा–चोली या सलवार–कमीज में तैयार किया है। इस बेबी लहंगे से आप भी अपनी बेटी के लिए एक प्यारा और पारंपरिक लुक चुन सकती हैं।

सोहा अली खान की बेटी इनाया नौमी खेमू

सोहा अली खान की बेटी इनाया अक्सर खूबसूरत इंडियन आउटफिट्स में नजर आती हैं। इनाया को पारंपरिक कुर्ता सेट्स, लहंगा–चोली और खास मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस पहने देखा गया है। उनकी प्यारी–सी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं और उनकी एथनिक स्टाइल छोटे बच्चों के लिए एक बेहतरीन इंस्पिरेशन है।

मीराबाई राजपूत की बेटी मीशा कपूर

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की बेटी मीशा कपूर भी इंडियन आउटफिट्स में बेहद प्यारी लगती हैं। मीरा अक्सर मीशा को पारंपरिक कपड़ों में स्टाइल करती हैं। चाहे वह त्योहार हो या शादी का कोई खास फंक्शन, मीशा को हमेशा एथनिक ड्रेस में देखा जा सकता है। उनका लहंगा–चोली लुक या अनारकली सूट का स्टाइल आपके लिए एक आदर्श प्रेरणा हो सकता है।

ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन

ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन हमेशा ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट्स में एलिगेंट लगती हैं। चाहे वह गणपति पूजा हो या किसी फैमिली फंक्शन में, आराध्या को अक्सर अनारकली सूट, लहंगा पहने देखा गया है। उनका ट्रेडिशनल स्टाइल आपको बेटी के लिए कुछ रॉयल और ग्रेसफुल फैशन टिप्स दे सकता है।

सनी लियोनी की बेटी निशा कौर वेबर

सनी लियोनी की गोद ली हुई बेटी निशा कौर वेबर को भी सनी ने कई मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस में स्टाइल किया है। निशा के इंडियन वियर में लहंगा, अनारकली और कुर्ता–पायजामा सेट्स आपको अपनी बेटी के लिए त्योहारों या खास मौकों पर ड्रेस चुनने में मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

बैंक ऑफ अमेरिका पर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ठोका 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने धनशोधन रोधी और प्रतिबंध संबंधी कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए बैंक ऑफ अमेरिका पर 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े बैंक पर लगाया गया यह जुर्माना वित्त मंत्रालय के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा जुर्माना है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को बयान में कहा, ''जब इतने बड़े बैंक धनशोधन रोधी और प्रतिबंध संबंधी अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो इसके परिणाम काफी व्यापक होते हैं। इससे पूरी अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के सामने अवैध वित्तीय गतिविधियों का बड़ा जोखिम पैदा होता है।'' उन्होंने कहा, ''आज की कार्रवाई स्पष्ट संदेश देती है कि बड़े से बड़े वित्तीय संस्थान भी कानून से ऊपर नहीं हैं।'' वित्त मंत्रालय ने कहा कि बैंक ऑफ अमेरिका (बीओए) ने उसके विदेशी परिसंपत्ति नियंत्रण कार्यालय के साथ 1.16 करोड़ डॉलर के समझौते पर भी सहमति जताई है। यह समझौता ईरान, रूस, मादक पदार्थों और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से संबंधित प्रतिबंध कार्यक्रमों समेत कई कार्यक्रमों के कथित उल्लंघनों के मामले में किया गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसके वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (फिनसीईएन) ने बैंक ऑफ अमेरिका पर 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। इसकी वजह ''राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्राथमिक जोखिमों को कम करने और उनकी जानकारी देने में विफलता'' है। इनमें चीन के धनशोधन नेटवर्क और अमेरिका की दक्षिण–पश्चिमी सीमा पर होने वाली अवैध वित्तीय गतिविधियां शामिल हैं। इस जुर्माने में से 75 करोड़ डॉलर अमेरिकी मुद्रा नियंत्रक कार्यालय को दिए जाएंगे। यह इस संघीय बैंक नियामक एजेंसी की ओर से लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीओए ने स्वीकार किया है कि उसने 1970 के बैंक गोपनीयता कानून का जानबूझकर उल्लंघन किया। इस कानून के तहत बैंकों को धनशोधन का पता लगाने और उसे रोकने में सरकार की मदद करनी होती है। बैंक ऑफ अमेरिका ने बयान में कहा, ''वित्तीय अपराधों से जुड़े नियमों का अनुपालन गंभीर मामला है और यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें सही तरीके से पूरा करें।'' बीओए ने कहा, ''हमने पहले से सार्वजनिक 2024 के मुद्रा नियंत्रक कार्यालय के सहमति आदेश और फिनसीईएन की जांच में उल्लिखित उल्लंघनों से जुड़े जुर्माने के मामलों को सुलझाने के लिए नियामकों के साथ काम किया।'' उसने कहा, ''हमने वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी में अरबों डॉलर का निवेश किया है और हजारों कर्मचारियों को इस काम में लगाया है। हमारे दल नियामकों की ओर से उठाए गए मुद्दों को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुके हैं और इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' इससे पहले सबसे बड़ा जुर्माना क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर नवंबर 2023 में लगाया गया था, जो लगभग 4.3 अरब डॉलर का समझौता था। वहीं, 2024 में कनाडा के टीडी बैंक पर धनशोधन रोकथाम में विफल रहने के कारण लगभग तीन अरब डॉलर का संयुक्त जुर्माना लगाया गया था। इसमें वित्त मंत्रालय की शाखा फिनसीईएन का 1.3 अरब डॉलर का जुर्माना भी शामिल था।

सुनील मित्तल ने एआई के समय रहते नियमन की वकालत की

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के नियमन पर अभी विचार करने की जरूरत है। मित्तल ने कहा कि इस प्रौद्योगिकी या इसके विकास को रोकने की जरूरत नहीं है, लेकिन किसी दुर्घटना के बाद कदम उठाने की प्रतीक्षा करना 'मूर्खतापूर्ण' होगा। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में मित्तल ने कहा कि सरकारों और नीति निर्माताओं के लिए एआई के तेजी से हो रहे विकास के साथ कदमताल करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने जोर दिया कि कुछ गलत होने से पहले ही इसके नियमन पर विचार किया जाना चाहिए। मित्तल ने कहा कि भारत एआई के नियमन और इसके इस्तेमाल के लिए सुरक्षा उपायों को लेकर एक परामर्श पत्र जारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के संस्थापकों ने भी इसको लेकर चिंता जताई है। इसके अलावा, एआई एजेंट के अप्रत्याशित व्यवहार करने या नियंत्रण से बाहर हो जाने की घटनाएं सामने आई हैं। मित्तल ने कहा, ''यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे हम हल्के में ले सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अचानक आप देख रहे हैं कि सरकारी गलियारों में और नीति–निर्माताओं के बीच इस बात को लेकर भागदौड़ शुरू हो गई है कि जब हम अपने जीवन के हर पहलू में एआई को शामिल कर रहे हैं, तो अपने देश को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं।'' मित्तल ने कहा कि लोग पहले से ही एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और एआई एजेंट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हम किसी दुर्घटना के होने के बाद ही जागेंगे या उससे पहले कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि वह एआई के विकास को रोकना नहीं चाहते, लेकिन बिना किसी सुरक्षा उपाय के इस प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ने देना भी 'मूर्खतापूर्ण' होगा। मित्तल ने कहा, ''हमें इसके नियमन के बारे में सोचना होगा। मुझे नहीं लगता कि हमें इसे रोकने या इसके विकास को बाधित करने की जरूरत है, लेकिन यह सोचना भी मूर्खतापूर्ण होगा कि हम इसे एक हद तक बेरोकटोक बढ़ने दें और फिर कोई दुर्घटना होने पर इस बारे में विचार करें।'' उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर फैसला लेने का समय अभी है। मित्तल ने कहा कि एआई प्रणाली को अलग–थलग रखकर नहीं चलाया जा सकता, बल्कि इसे वैश्विक व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। विमानन क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पहले इस क्षेत्र का जिक्र किया था। मित्तल के मुताबिक, विमानन उद्योग एक अंतरराष्ट्रीय ढांचे के तहत काम करता है, जो यह तय करता है कि उड़ानों के लिए समय स्लॉट कैसे आवंटित किए जाएंगे और अलग–अलग देशों के बीच उड़ानों का संचालन कैसे होगा। इसमें किसी देश की राष्ट्रीयता या ध्वज से फर्क नहीं पड़ता।

उनके 30–40 रन भी काफी!: ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी को पुजारा का समर्थन; किस भारतीय स्पिनर के मुरीद हुए ?

चेतेश्वर पुजारा ने ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी का समर्थन करते हुए कहा कि तीसरे नंबर पर उनका काम पावरप्ले का फायदा उठाना और टीम को तेज शुरुआत देना है। उन्होंने नमन धीर की गेंदबाजी की भी तारीफ की और उनके नियंत्रण, गति में बदलाव तथा बल्लेबाज के अनुसार रणनीति बदलने की क्षमता को अहम बताया।

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ईशान टीम की जरूरत के मुताबिक योगदान दे रहे हैं। पुजारा के मुताबिक, हर मैच में बड़ी पारी खेलने के बजाय ईशान की भूमिका पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने और टीम को तेज शुरुआत दिलाने की है। इसके साथ ही उन्होंने ऑलराउंडर नमन धीर की गेंदबाजी की समझ, नियंत्रण और विविधता की भी तारीफ की।

ईशान किशन से टीम को क्या चाहिए?

पुजारा का मानना है कि भारतीय टीम के शीर्ष क्रम में कई आक्रामक बल्लेबाज हैं। ऐसे में ईशान की जिम्मेदारी हर बार बड़ा स्कोर बनाने के बजाय टीम की रन गति को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि ईशान पावरप्ले का अच्छा इस्तेमाल कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर तेजी से 30–40 रन भी बना रहे हैं। पुजारा ने जियोस्टार से कहा, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन भारतीय टीम को वही दे रहे हैं, जिसकी उसे जरूरत है। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें हर बार बड़ी पारी खेलते हुए देखेंगे, क्योंकि शीर्ष क्रम में हर खिलाड़ी आक्रामक बल्लेबाज है। उनकी भूमिका टीम को अच्छी शुरुआत देने और पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की है। इसलिए जब भी ईशान किशन बल्लेबाजी करने आते हैं, वह पावरप्ले का पूरा फायदा उठाते हैं। इसके बाद, अगर आप उनसे तेजी लाने की उम्मीद करते हैं, तो उन्होंने तेजी से 30–40 रन भी बनाए हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह पर्याप्त है। हो सकता है कि व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए आप उनसे बड़ी पारियां खेलने की उम्मीद करें, लेकिन फिलहाल वह टीम के लिए अपना काम कर रहे हैं।

नमन धीर की गेंदबाजी में पुजारा को क्या खास लगा?

पुजारा ने नमन धीर की गेंदबाजी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि धीर बल्लेबाज की रणनीति को समझने, अपनी लाइन और लेंथ में बदलाव करने और अपनी योजना पर टिके रहने की क्षमता रखते हैं। पुजारा के मुताबिक, उनकी गेंदबाजी की खासियत सिर्फ विकेट लेना नहीं, बल्कि उसके पीछे की सोच भी है। पुजारा ने कहा, नमन ने दिखाया है कि उनके पास शानदार नियंत्रण है और वह विकेट लेने की क्षमता रखते हैं। उन्हें पता होता है कि बल्लेबाज क्या कर रहा है और वह उसका विकेट कैसे ले सकते हैं। वह ज्यादातर गेंदें स्टंप पर रखते हैं और बल्लेबाज को बांधकर रखना चाहते हैं। पिछले मैच में उन्होंने कामिल पूरन के खिलाफ ऐसा ही किया, जब उनकी गेंदों पर तीन छक्के लगे। पहली दो गेंदों पर उनका निष्पादन अच्छा नहीं था, लेकिन वह अपनी योजना पर टिके रहे, उन्होंने अपनी लाइन में थोड़ा बदलाव किया और विकेट हासिल कर लिया।

ICC T20I Rankings में श्रेयस अय्यर चौथे स्थान पर पहुंचे, टेस्ट में जोश हेज़लवुड को भी फायदा

डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम की जीत के बाद, ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रेनशॉ और जोश हेज़लवुड ने ICC पुरुषों की टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में काफी सुधार किया है, जबकि भारत के श्रेयस अय्यर T20I बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी पायदान पर पहुंच गए हैं। ICC की वेबसाइट के अनुसार, रेनशॉ ने डरबन टेस्ट की पहली पारी में 190 और दूसरी पारी में 82 रन बनाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच पर पकड़ बनाने में मदद मिली और इस बाएं हाथ के बल्लेबाज की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप 100 से बाहर की स्थिति से संयुक्त 49वें स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन भी चार पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि दक्षिण अफ्रीका के ओपनर एडेन मार्करम चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर आ गए। ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड आखिरी दिन 6/49 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज करने के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी मिशेल स्टार्क टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्टजे तीन साल से भी ज़्यादा समय बाद रेड–बॉल क्रिकेट में वापसी करते हुए टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 34वें स्थान पर आ गए हैं। भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑल–राउंडर रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए, जबकि साइमन हार्मर पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए। अबू धाबी में अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के ड्रॉ होने से भी रैंकिंग में बदलाव हुए। अफगानिस्तान के रहमत शाह बैटिंग रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि बांग्लादेश के लिटन दास तीन स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 29वें स्थान पर आ गए।

बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ हसन महमूद ने मैच में हैट्रिक लेने और पांच विकेट चटकाने के बाद बॉलिंग रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई और 38वें स्थान पर पहुंच गए। ताज़ा ICC पुरुष T20I प्लेयर रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिले; वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू सीरीज़ में शानदार शुरुआत के बाद भारत के श्रेयस अय्यर बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गए। लखनऊ में सीरीज़ के पहले मैच में अपना पहला T20I शतक लगाने के बाद अय्यर तीन पायदान ऊपर चढ़ गए। उनके आगे बढ़ने का मतलब है कि अब T20I बैटिंग रैंकिंग में टॉप चार में भारत के तीन खिलाड़ी हैं – ईशान किशन टॉप पर और अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर। श्रीलंका के खिलाफ़ शानदार प्रदर्शन के बाद करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल करने वाले पाकिस्तान के कप्तान साहिबज़ादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं।

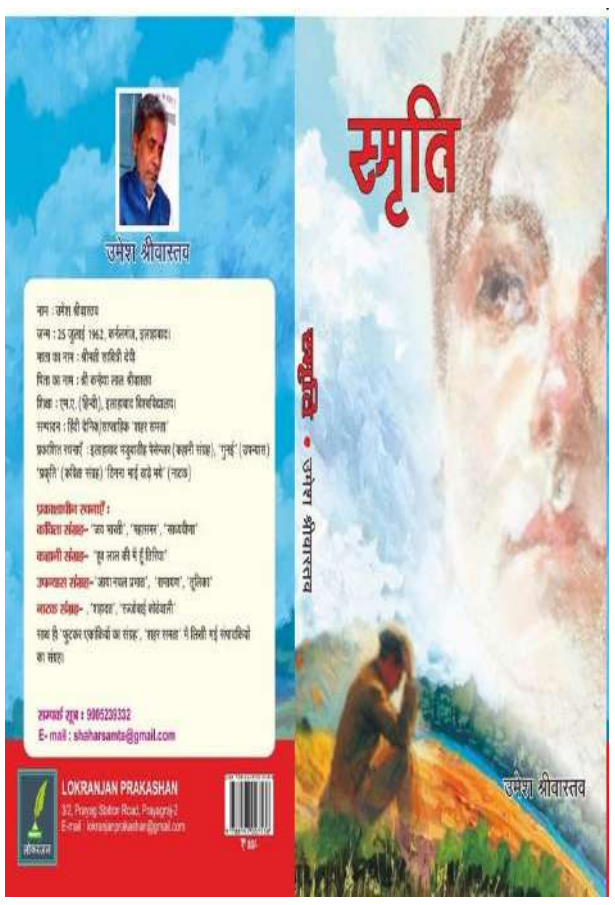

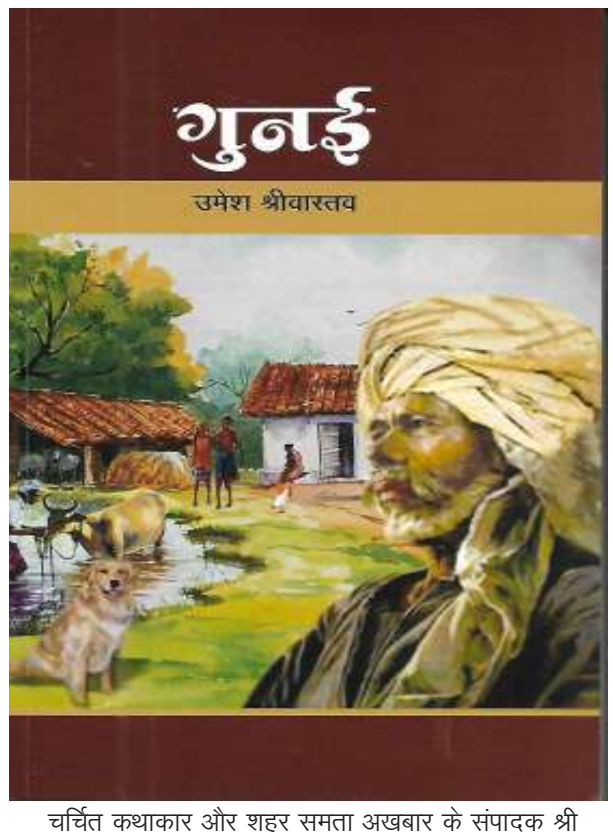

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

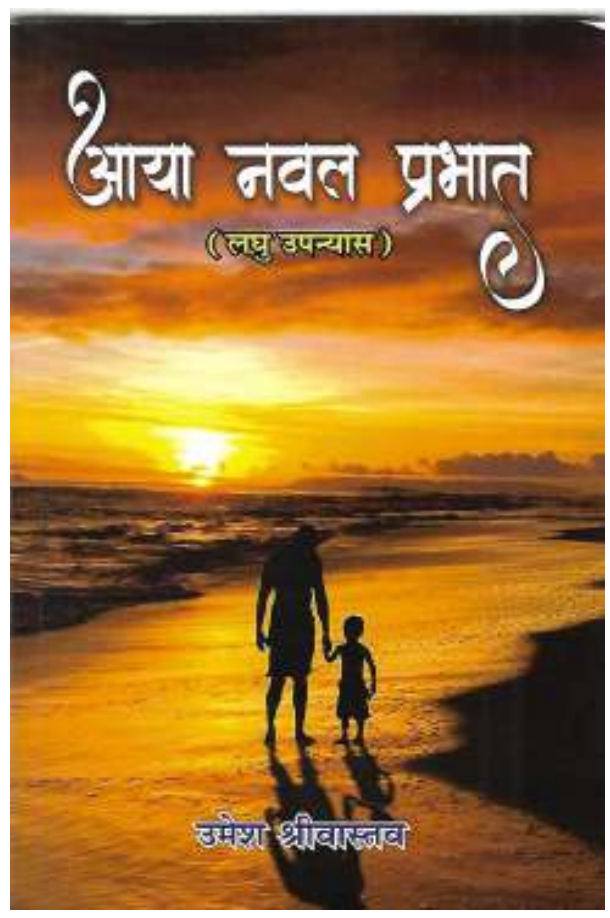

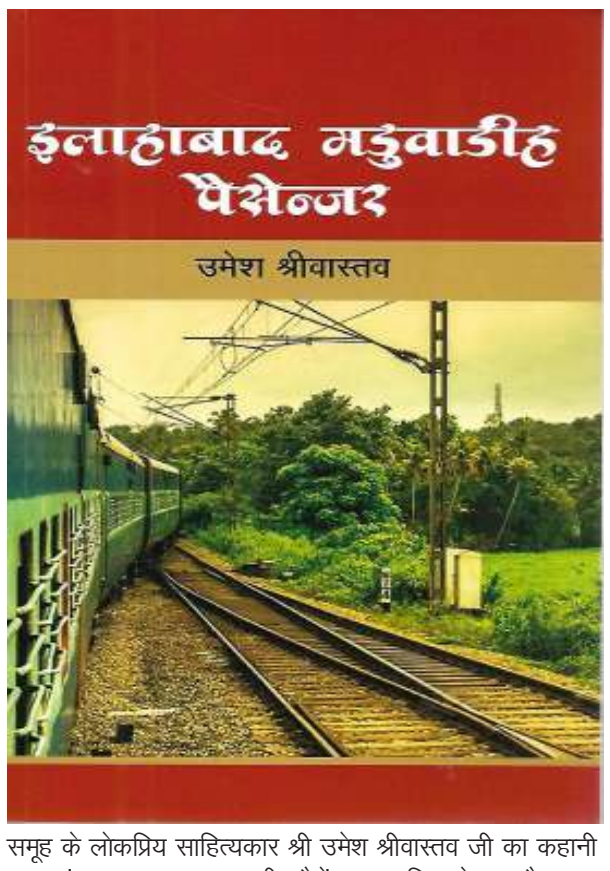

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

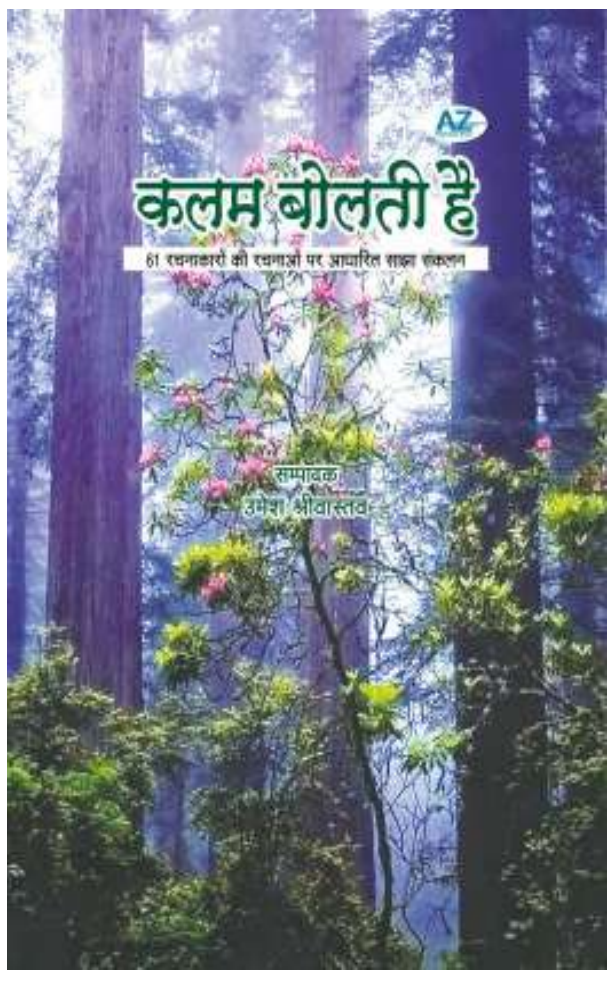

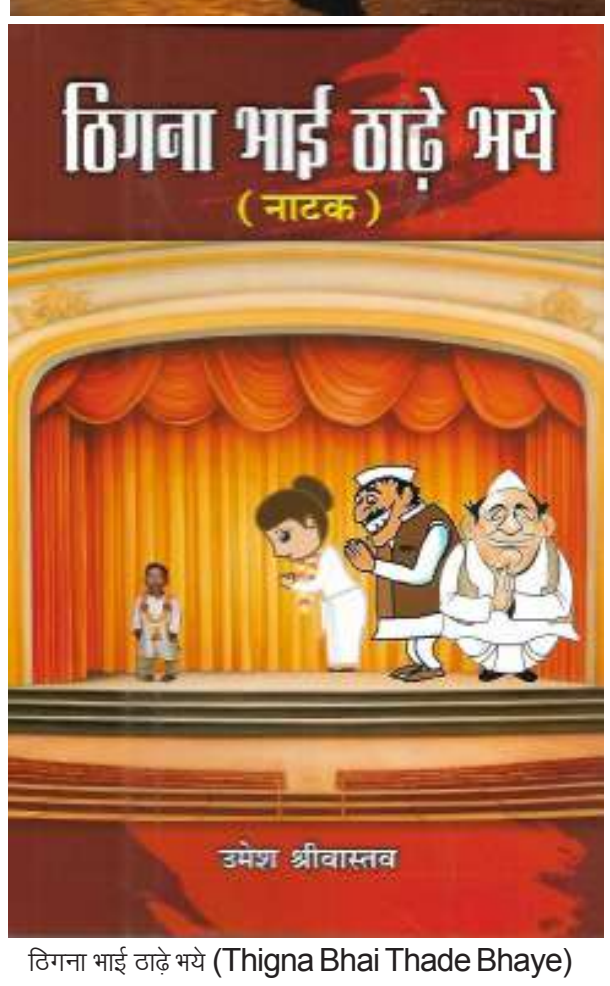

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

OpenAI के बैठक कक्ष में गुप्त रिकॉर्डिंग डिवाइस लगाने पर इंजीनियर गिरफ्तार

कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी ओपनएआई के एक बैठक कक्ष में गुप्त रूप से रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने के आरोप में कंपनी के एक इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, उपकरण लगाने का उद्देश्य कंपनी की प्रौद्योगिकी से जुड़ी संवेदनशील बातचीत को रिकॉर्ड करना था। सैन फ्रांसिस्को की संघीय अदालत में दायर आपराधिक शिकायत के मुताबिक, 'चौटजीपीटी' बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के एक बैठक कक्ष में रिकॉर्डिंग उपकरण मिलने के करीब एक सप्ताह बाद शुक्रवार को कंपनी के कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान सऊदी अरब के नागरिक अब्दुल रहमान अलफोजान (35) के रूप में हुई है। शिकायत के अनुसार, 30 सितंबर को बैठक कक्ष में टेलीविजन के पीछे लगे यूएसबी पोर्ट में रिकॉर्डिंग उपकरण मिला था। इसे टॉयलेट पेपर में लपेटकर छिपाया गया था। इस बैठक कक्ष का इस्तेमाल कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी करते हैं। शिकायत में कहा गया है कि जिस समय बैठक कक्ष में रिकॉर्डिंग उपकरण लगाया गया था, उस समय वहां निगरानी के लिए कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था लेकिन कार्यालय के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग से पता चला कि अलफोजान पिछले महीने करीब 12 बार उस बैठक कक्ष के आसपास देखा गया था जबकि उसे न तो उस स्थान पर जाने की अनुमति थी और न ही वहां होने वाली बैठकों में शामिल होने का अधिकार था। अलफोजान मंगलवार को पहली बार अदालत में पेश हुआ। उस पर बातचीत को गुप्त रूप से रिकॉर्ड करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक या किसी अन्य उपकरण का इस्तेमाल करने या ऐसा करने की कोशिश करने का आरोप है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसकी ओर से पैरवी करने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं। उसे 19 अक्टूबर को दोबारा अदालत में पेश किया जाना है। अदालत में दायर शिकायत में कंपनी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया है। हालांकि, ओपनएआई ने एक अलग बयान में पुष्टि की कि उसके एक कार्यालय में छिपाकर लगाया गया रिकॉर्डिंग उपकरण मिला था। कंपनी ने इसकी सूचना संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) को दी थी और संबंधित कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया था।

रियाद एयर पोर्ट पर कामकाज बंद, सऊदी अरब हमले में 1 भारतीय की मौत और 4 ICU में भर्ती

रियाद में भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा से जुड़ी एक विस्तृत एडवाइज़री जारी की है। इसमें उनसे सुरक्षा को प्राथमिकता देने और मौजूदा सुरक्षा हालात के बीच आधिकारिक दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। दूतावास ने एक्स पर जारी एडवाइज़री में कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए, सऊदी अरब में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे शांत और सतर्क रहें, हवाई हमले की स्थिति में घर के अंदर ही रहें और आधिकारिक चौनलों के ज़रिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा

जारी निर्देशों का पालन करें। ऑनलाइन फैल रही बिना पुष्टि वाली जानकारी के बारे में दूतावास ने नागरिकों को इन घटनाओं से जुड़ी सामग्री शेयर करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। एडवाइज़री में कहा गया भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे चल रही घटनाओं से जुड़े किसी भी वीडियो या समाचार को फैलाने या रीपोस्ट करने से बचें। सुरक्षा के कड़े हालात के बावजूद, मिशन ने पुष्टि की कि राजनयिक और कांसुलर सेवाएं चालू हैं। बयान में कहा गया, रियाद में भारतीय दूतावास और जेद्दा में वाणिज्य दूतावास तथा टथै के माध्यम से उनकी आउटसोर्स की गई पासपोर्ट/अटेस्टेशन सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले के बारे में जानकारी देते हुए, दूतावास ने एक भारतीय पीड़ित के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने की पुष्टि की। दूतावास ने विस्तार से बताया, स्वर्गीय मोहम्मद यूसुफ अली, जिनकी दुर्भाग्य से रियाद एयरपोर्ट हमले में जान चली गई थी, का अंतिम संस्कार उनके परिवार की इच्छा के अनुसार 12 अक्टूबर, 2026 को रियाद में पूरा किया गया।

पाकिस्तान में 15 लाख इंटरनेट उपयोगकर्ता बच्चे हुए ऑनलाइन यौन शोषण के शिकार, रिपोर्ट

पाकिस्तान में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले करीब 15 लाख बच्चों को एक साल के दौरान तकनीक के जरिए यौन शोषण या उत्पीड़न के कम से कम एक रूप का सामना करना पड़ा। एक नए अध्ययन से यह जानकारी प्राप्त हुई। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, यूनिसेफ, एकपैट इंटरनेशनल और इंटरपोल द्वारा सितंबर में संयुक्त रूप से प्रकाशित अध्ययन इस धारणा को चुनौती देता है कि ऑनलाइन शोषण मुख्य रूप से अजनबियों द्वारा किया जाता है।

हूती के मिसाइल हमलों से दहला सउदी अरब, पलटवार में यमन में मचाई भारी तबाही

पश्चिम एशिया में सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। मिसाइलों और ड्रोन से हमले हो रहे हैं, तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की धमकियां दी जा रही हैं और जवाब में यमन पर सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की ताबड़तोड़ बमबारी ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया है। हम आपको बता दें कि सऊदी अरब के धहरान शहर में दुनिया की प्रमुख तेल कंपनियों में शामिल सऊदी अरामको के प्रशासनिक परिसर पर मिसाइल हमले के बाद इमारत में आग लग गई। उधर, सऊदी गठबंधन ने यमन की राजधानी सना और पश्चिमी हुदैदा प्रांत में हूतियों के ठिकानों पर हमले किए। दोनों तरफ से लगातार हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच अब तेल ठिकाने और सामरिक रूप से अहम समुद्री मार्ग भी इस संघर्ष के केंद्र में आ गए हैं।

अरामको परिसर पर हमला, तीन मंजिलों को नुकसान

सऊदी अरब के पूर्वी शहर धहरान में मंगलवार देर रात अरामको के प्रशासनिक भवन पर हमला हुआ। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद इमारत में लगी आग पर तुरंत काबू पाया गया। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई और कोई घायल भी नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि अरामको के मुख्यालय परिसर पर बैलिस्टिक मिसाइल गिरी थी। सूत्र के मुताबिक, परिसर के एक कार्यालय टावर की ऊपरी तीन मंजिलों को नुकसान पहुंचा है। देखा जाये तो यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अरामको का यह परिसर कंपनी के प्रमुख परिचालन केंद्रों में शामिल है। यहां से तेल कुओं, पाइपलाइनों, रिफाइनरियों और निर्यात टर्मिनलों के विशाल नेटवर्क की गतिविधियों का संचालन और प्रबंधन जुड़ा हुआ है। ऐसे प्रतिष्ठान पर हमला सऊदी अरब की ऊर्जा व्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। हम आपको बता दें कि हूतियों ने पहले ही सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों को संभावित निशाना बताते हुए चेतावनी जारी की थी। संगठन ने तेल कर्मचारियों से उन स्थानों से दूर रहने को कहा था, जिन्हें वह हमलों के लिए वैध लक्ष्य मानता है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सना पर सऊदी गठबंधन के हमलों के जवाब में कठोर और दर्दनाक प्रतिक्रिया की चेतावनी दी थी। अरामको का मुख्यालय और रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी संभावित लक्ष्यों में गिनाए गए थे।

रियाद में मिसाइलों की बारिश, नागरिक इलाकों तक पहुंचा मलबा

उधर, सऊदी अरब ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में कई मिसाइलों और ड्रोन को रोककर नष्ट किया। अल–अहसा गवर्नरेट के एक प्रशासनिक केंद्र की ओर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को भी इंटरसेप्ट करने की जानकारी दी गई। लेकिन मिसाइलों को हवा में नष्ट कर देना भी खतरे को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाया। सऊदी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, रियाद में दो हूती मिसाइलों को रोकने के बाद गिरे मलबे से चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं। मलबे के कारण राजधानी में 15 मकानों को भी सीमित नुकसान पहुंचा। इससे पहले रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गयी थी। इन हमलों के बाद देश में उड़ानों पर भी असर पड़ा।

सना और हुदैदा पर सऊदी गठबंधन की ताबड़तोड़ कार्रवाई

दूसरी ओर, हूतियों के हमलों और धमकियों के बीच सऊदी अरब ने भी अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया है। मंगलवार को सना और पश्चिमी हुदैदा प्रांत में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमलों के बाद जोरदार विस्फोटों की खबरें आईं। गठबंधन ने यमन में ईंधन भंडार, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। उसका कहना है कि अभियान का उद्देश्य हूतियों की उन क्षमताओं को निष्प्रभावी करना है, जिनके जरिए वे सऊदी अरब, यमन और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को खतरे में डाल रहे हैं। उधर, हूती संचालित मीडिया ने सना के बाहरी इलाके में यमन पेट्रोलियम कंपनी के एक केंद्र पर हमले की सूचना दी। वहीं, हूतियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में यमन के विभिन्न इलाकों में सऊदी अरब ने 104 हवाई हमले किए और उनमें नागरिक हताहत हुए। हम आपको बता दें कि सऊदी अरब की कैबिनेट ने भी हूतियों के लगातार हमलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी थी कि उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। इस तरह दोनों पक्षों की बयानबाजी अब वास्तविक सैन्य कार्रवाई में बदल चुकी है और हर नए हमले के साथ जवाबी कार्रवाई का दायरा बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

बाब अल–मंदेब पर नजर, तेल बाजार में उबाल

इस संघर्ष का एक बड़ा मोर्चा लाल सागर से जुड़ा समुद्री क्षेत्र भी है। हूतियों ने पिछले महीने लाल सागर के तट से आगे बढ़ते हुए बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश की थी। सऊदी समर्थित सरकारी बलों के अभियान के बाद उन्हें जलडमरूमध्य के निकटवर्ती इलाके से पीछे धकेले जाने की खबरें आईं, लेकिन संगठन की मौजूदगी आसपास बनी हुई है। इसी महीने ताइज़ शहर के आसपास भी हूतियों की बढ़त की सूचना मिली। हम आपको बता दें कि बाब अल–मंदेब लाल सागर में प्रवेश का महत्वपूर्ण दक्षिणी द्वार है। यहां अस्थिरता बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर दबाव पड़ सकता है। दूसरी ओर, युद्ध की आशंकाओं का असर तेल बाजार में भी दिखाई दिया। कारोबारियों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि सऊदी तेल प्रतिष्ठानों या प्रमुख समुद्री मार्गों पर हमले बढ़े, तो आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हालांकि रूस से डीजल की संभावित अतिरिक्त आपूर्ति इस दबाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकती है।

पुरानी जंग फिर हुई तेज

हम आपको यह भी याद दिला दें कि यमन में संघर्ष 2014 के अंत में हूतियों के राजधानी सना और उत्तरी क्षेत्रों पर कब्जे के बाद तेज हुआ था। 2015 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के समर्थन में सैन्य हस्तक्षेप किया। अब सऊदी अरब ने हूतियों की हालिया बढ़त को पलटने के लिए अपना अभियान फिर तेज किया है। रियाद अपने सहयोगियों से समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अमेरिका ने अब तक हूतियों के खिलाफ युद्ध में सीधे शामिल होने की सऊदी मांग स्वीकार नहीं की है। देखा जाये तो इस पूरे संघर्ष की पृष्ठभूमि में ईरान की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ईरान सऊदी अरब का पुराना क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी है और हूतियों के साथ उसके संबंधों को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी अरब और हूतियों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि सऊदी अरब और हूतियों के बीच यह मिसाइल युद्ध कहां जाकर रुकेगा। अरामको जैसे महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठान पर हमला, रियाद में नागरिकों के घायल होने की घटनाएं और यमन में लगातार हवाई हमले दिखाते हैं कि टकराव अब केवल सीमावर्ती सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं है। यदि दोनों पक्षों ने हमलों का दायरा बढ़ाया, तो इसकी कीमत सऊदी अरब और यमन के नागरिकों के साथ–साथ वैश्विक ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार को भी चुकानी पड़ सकती है।

तारिक़ रहमान का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन छोड़ना अपरिपक्व, शेख हसीना बोलीं हुआ राष्ट्रीय नुकसान

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान के भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल न होने के फ़ैसले की आलोचना करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने कहा कि यह अपरिपक्व फ़ैसला था और इससे बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुँचा। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं या थोड़े समय के राजनीतिक फ़ायदों पर आधारित विदेश नीति असल में नुकसानदेह होती है। उन्होंने बताया कि इस प्रभावशाली समूह के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की भागीदारी से देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के नए अवसर खुल सकते थे, लेकिन वह मौका हाथ से निकल गया। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर नई दिल्ली में उनकी मौजूदगी ही रहमान के समिट में शामिल न होने की वजह थी, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि दो देशों के रिश्ते किसी एक व्यक्ति से जुड़ी निजी बातों या राजनीतिक संवेदनशीलता से तय नहीं हो सकते। रहमान के फ़ैसले पर सवाल उठाते हुए हसीना ने कहा कि एक ज़िम्मेदार सरकार को ष्देश के लिए दरवाज़े खोलने चाहिए, बंद नहीं करने चाहिए। नई दिल्ली ने ठप्डैज्म्ब (बे ऑफ़ बंगाल इनिशिएटिव फ़ॉर मल्टी–सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) के मौजूदा चेयरमैन के तौर पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान को ब्रिक्स समिट के लिए न्योता भेजा था। लेकिन, रहमान ने समिट में शामिल न होने का फ़ैसला किया, जो 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में हुआ था।ष हसीना ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था कि बांग्लादेश ने इसमें शामिल न होने का फ़ैसला किया। मेरी नज़र में, यह एक अपरिपक्व फ़ैसला था और इससे बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित को कोई फ़ायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा ब्रिक्स सिर्फ़ एक कूटनीतिक बैठक नहीं है। यह तेज़ी से उभरती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है और व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, टेक्नोलॉजी और विकास में सहयोग के मौके बनाता है। इसमें शामिल होकर बांग्लादेश कीमती अनुभव हासिल कर सकता था और अपने आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नए मौके खोल सकता था। वह मौका हाथ से निकल गया। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि विदेश नीति निजी प्रतिक्रिया या थोड़े समय के राजनीतिक फ़ायदे–नुकसान के हिसाब से नहीं चलाई जा सकती। उन्होंने कहा भारत हमारा सबसे करीबी पड़ोसी और एक अहम ऐतिहासिक साझेदार है, लेकिन ब्रिक्स में शामिल होने का मतलब अंतरराष्ट्रीय समुदाय में बांग्लादेश की अपनी जगह बनाना भी है। अगस्त 2024 में सरकार के ख़िलाफ़ बड़े पैमाने पर हुए विरोध–प्रदर्शनों के बाद अपनी सरकार गिरने पर बांग्लादेश छोड़ने के बाद से दिल्ली में रह रहीं 78 वर्षीय हसीना ने यह भी याद किया कि कैसे तत्कालीन प्रधानमंत्री ज़ियाउर रहमान 1979 में नई दिल्ली आए थे, जबकि उस समय वह खुद भारत में रह रही थीं।

पाकिस्तान में पानी का गहराता संकटः 22फीसदी पानी की कमी का अनुमान

पाकिस्तान के सिंधु नदी प्रणाली प्राधिकरणने आगामी रबी फसल सीज़न के लिए देश के दो सबसे बड़े कृषि राज्यों– पंजाब और सिंध– के लिए सिंचाई के पानी में 22 प्रतिशत की भारी कमी का अनुमान लगाया है। रबी सीज़न में गेहूं, जौ, सरसों और चना जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं, जिससे यह कमी पाकिस्तान की खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। हालांकि, पाकिस्तानी राजनेता और हुक्मरान लगातार भारत पर सिंधु जल संधि को रोकने और पानी रोकने का मनगढ़ंत आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन पाकिस्तानी संस्था पै। की अपनी रिपोर्ट से साफ हो गया है कि इस जल संकट की असली वजह पाकिस्तान का अपना आंतरिक कुप्रबंधन और इंफ्रास्ट्रक्चर की असफलता है। कराची के अखबार श्डॉनश की एक रिपोर्ट के अनुसार, पै। – जो पाकिस्तान सरकार की वह संस्था है जो प्रांतों के बीच सिंधु नदी प्रणाली से पानी के वितरण को नियंत्रित और उसकी देखरेख करती है – ने रबी के मौसम (जो 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक चलता है) के दौरान पानी की 22फीसदी कमी का अनुमान लगाया है। इस कमी का असर पाकिस्तान के कृषि के मुख्य केंद्र पंजाब और खेती वाले एक अन्य बड़े प्रांत सिंध पर पड़ेगा, क्योंकि किसान गेहूं और सर्दियों की अन्य फसलें बोने की तैयारी कर रहे हैं। श्एसोसिएटेड प्रेस ऑफ़ पाकिस्तानश की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 80ः से ज़्यादा खेती सिंधु बेसिन से मिलने वाले सिंचाई तंत्र पर निर्भर है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा के लिए इस नदी प्रणाली में पानी की उपलब्धता बहुत ज़रूरी हो जाती है। यह स्थिति तब सामने आई है जब कई पाकिस्तानी राजनेता ज़ोर–शोर से दावा कर रहे हैं कि भारत द्वारा उन्हें सिंधु प्रणाली में पानी का उनका उचित हिस्सा नहीं दिया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय दोहरे मापदंड और राजनीतिकरण से बचें : यूएनजीए में भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निकायों से ''राजनीतिकरण'' से बचने तथा सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भों का सम्मान करने का आग्रह करते हुए कहा है कि देश कोई भेदभाव किए बिना और दोहरा मापदंड अपनाए बिना सभी के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र में 'मानवाधिकार परिषद की रिपोर्ट' विषय पर भारत का पक्ष रखा। स्वरूप ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त और उनके कार्यालय के साथ विश्वास एवं साझेदारी की भावना से काम करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, ''हम बिना किसी भेदभाव और दोहरे मापदंड के सभी के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' स्वरूप ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निकाय राजनीतिकरण और पक्षपात से ऊपर उठकर सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भों का सम्मान करेंगे ताकि वे दुनिया को निष्पक्ष रूप से नैतिक मार्गदर्शन देते रहें।'' भारत की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब कुछ दिन पहले उसने राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शनों को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की टिप्पणियों को ''अनावश्यक'' और देश के आंतरिक मामलों में ''अस्वीकार्य हस्तक्षेप'' करार दिया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने पिछले सप्ताह ''दिल्ली में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों से पहले और उनके दौरान प्रदर्शनकारियों, प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले नेताओं, नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों, वकीलों और पत्रकारों को बड़ी संख्या में हिरासत में लिए जाने की खबरों पर चिंता जताई थी।'' स्वरूप ने कहा कि मानवाधिकारों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बहुलवाद और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की उसकी सभ्यतागत परंपराओं पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''मानवाधिकार परिषद के सदस्य के रूप में भारत ने संवाद और सहयोग की भावना से रचनात्मक भूमिका निभाई है।'' स्वरूप ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत हर नागरिक की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं और देश की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ 100 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न और 60 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जा रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।